असम में लगातार हो रही बारिश की वजह से बाढ़ से लगभग 20 जिले प्रभावित हैं। 20 जिलों के लगभग दो लाख लोगों का जनजीवन बाढ़ की वजह से बेहाल है। भूस्खलन हुआ, इसकारण रेल और सड़क संपर्क भी टूट गया है। दीमा हसाओ पर्वतीय जिले का संपर्क देश के शेष हिस्सों से टूट गया है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 154 दिनांक:18-05-2022 बुधवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

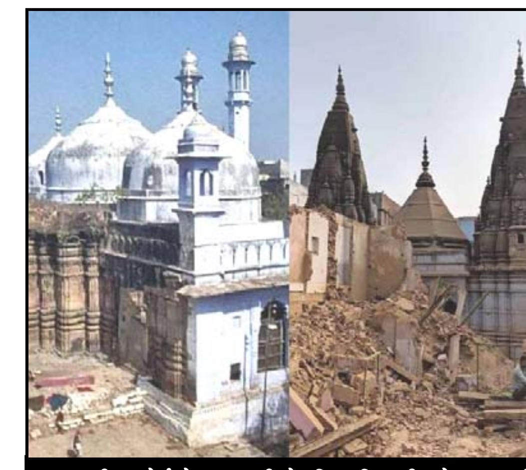

सुप्रीम कोर्ट ने वाराणसी के जिलाधिकारी को ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग की जगह की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। साथ ही कहा है कि मुसलमानों के मस्जिद में जाकर नमाज पढ़ने में कोई बाधा नहीं होनी चाहिए।

असम में लगातार बारिश और भूस्खलन से बिगड़े हालात

ट्रेन में फंसे 2800 यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया

गुवाहाटी (ईएमएस)। असम में लगातार हो रही बारिश की वजह से राज्य की हालात खराब होती जा रही है। असम में बाढ़ की स्थिति से लगभग 20 जिले प्रभावित हैं। 20 जिलों के लगभग दो लाख लोगों का जनजीवन इस बाढ़ की वजह से बेहाल हो गया है। लगातार बारिश की वजह से भूस्खलन हुआ, इसकारण रेल और सड़क संपर्क भी टूट गया है। दीमा हसाओ पर्वतीय जिले का संपर्क देश के शेष हिस्सों से टूट गया है। कछार जिले में बाढ़ से दो लोगों की मौत हुई, जबकि इससे पहले, भूस्खलन के कारण दीमा हसाओ में तीन लोगों की मौत हुई थी।

बाढ़ से लगभग 1,97,248 लोग प्रभावित हुए हैं, जिसमें से होजई में 78,157 और कछार में 51,357 लोग प्रभावित हुए हैं। इस बीच, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने बताया कि भारी भूस्खलन और लगातार बारिश की वजह से पटरियों पर जलजमाव होने के कारण असम के लुमडिंग-बदरपुर पहाड़ी खंड में दो दिनों से फंसी दो ट्रेनों के लगभग 2800 यात्रियों को निकालने का काम सोमवार को वायु सेना और अन्य एजेंसियों की मदद से पूरा हो गया। कई यात्रियों को वायु सेना द्वारा निकाला गया,क्योंकि शनिवार से जारी लगातार बारिश से बचाव अभियान बाधित हुआ था। दो ट्रेनें दीमा हसाओ जिले में एनएफआर के लुमडिंग खंड में फंसी हुई थीं। प्रभावित क्षेत्र में शनिवार से खंड की लगभग 18 ट्रेनों को रद्द कर 10 से अधिक अन्य ट्रेनों को कुछ समय के लिए टाल दिया गया है।

लगातार बारिश के बावजूद क्षतिग्रस्त रेल पटरियों की बहाली का काम जोरों पर है। दीमा हसाओ जिले के मुख्यालय हाफलोंग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि न्यू हाफलोंग रेलवे स्टेशन का अधिकांश हिस्सा पानी में डूबा हुआ है और वहां फंसी एक खाली ट्रेन पटरी से उतर गई है क्योंकि नीचे की मिट्टी बह जाने से पटरी उखड़ गई थी। लगातार बारिश और कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण जिले में सड़क संपर्क भी टूट गया है।

अप्रैल में 15.08 फीसदी के रेकॉर्ड हाई पर पहुंची थोक कीमतों पर आधारित महंगाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। थोक कीमतों पर आधारित महंगाई अप्रैल में बढ़कर 15.08 प्रतिशत के रेकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। यह तेजी खाने पीने की चीजों से लेकर जिसों तक के महंगा होने की वजह से हुई। डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति मार्च में 14.55 फीसदी और पिछले साल अप्रैल में 10.74 फीसदी थी। डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति पिछले साल अप्रैल से लगातार 13वें महीने दोहरे अंक में बनी हुई है।

अप्रैल में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति 8.35 प्रतिशत थी। इस दौरान सब्जियों, गेहूं, फल और आलू की कीमतों में तेज वृद्धि देखी गई थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा अप्रैल 2022 में मुद्रास्फीति की ऊंची दर मुख्य रूप से खनिज तेलों, मूल धातुओं, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस, खाद्य वस्तुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों, रसायनों और रासायनिक उत्पादों आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण हुई।

ईंधन और बिजली खंड में मुद्रास्फीति 38.66 प्रतिशत थी, जबकि विनिर्मित उत्पादों और तिलहन में यह क्रमश: 10.85 प्रतिशत और 16.10 प्रतिशत थी। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की मुद्रास्फीति अप्रैल में 69.07 प्रतिशत थी। पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के मुताबिक खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में बढ़कर आठ साल के उच्च स्तर 7.79 प्रतिशत पर पहुंच गई है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी तेजी आई है। इसकी कीमत 139 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी जो 2008 के बाद इसका उच्चतम स्तर है। तेल महंगा होने के कारण दुनियाभर में महंगाई बढ़ी है।

ज्ञानवापी मस्जिद प्रकरणः कोर्ट ने सर्वे टीम को रिपोर्ट फाइल करने के लिए दिया दो दिन का समय

-कोर्ट कमिश्नर अजय मिश्र हटाए गए

वाराणसी (ईएमएस)। धार्मिक राजधानी स्थित बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर से सटे ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग मिलने की अदालत की पुष्टि के बाद विशेष अधिवक्ता आयुक्त विशाल सिंह ने न्यायालय में आवेदन देकर बताया है कि अभी सर्वे रिपोर्ट तैयार नहीं हुई है इसलिए रिपोर्ट पेश करने के लिए उन्हें दो दिन का और समय दिया जाए। वहीं अधिवक्ता अजय कुमार मिश्र को कोर्ट कमीशन से हटा दिया गया है। गैरजिम्मेदाराना कृत्य और सहयोग न करने का आरोप में उनको हटाया गया है। बाकी दोनों कमिश्नरों को दो दिन की मोहलत मिली है। वहीं दीवार गिराने वाली अर्जी पर कल फैसला होगा। तालाब से मछली हटाने पर भी कल निर्णय आएगा। इसके साथ ही सर्वे टीम को रिपोर्ट दाखिल करने के लिए दो दिन की मोहलत मिल गई है।

मंगलवार को अदालत में जब सर्वे कमीशन की रिपोर्ट पेश करने के लिए समय मांगने वाले आवेदन पर दोबारा सुनवाई शुरू हुई तो हिंदू पक्ष के वकीलों ने कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने के ठीक नीचे मौजूद शिवलिंग तक पहुंचने के लिए पूरब दिशा में एक दरवाजा है लेकिन वहां काफी मलबा पड़ा है, जिसे हटाना चाहिए। वहीं अधिवक्ता कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा ने अदालत से कहा कि मुझे दीवार खरोंचने का अधिकार नहीं है। साथ ही उन्होंने एक वीडियोग्राफी करने वाले शख्स द्वारा मीडिया से बात करने और मामले के दोनों पक्षकारों द्वारा मीडिया में बयान दिए जाने पर भी आपत्ति जताई है।

विदित हो कि कि अधिवक्ता विशाल सिंह ने सोमवार को भी आवेदन देकर अधिवक्ता आयुक्त अजय कुमार मिश्रा और सहायक अधिवक्ता आयुक्त अजय प्रताप सिंह पर कमीशन की कार्रवाई में सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया है। उन्होंने नियत तिथि 17 मई को कमीशन की रिपोर्ट देने में असमर्थता भी जताई है। उनके आवेदन पर सिविल जज सीनियर डिवीजन ने दोनों आयुक्तों से स्पष्टीकरण भी मांगा है। याद हो कि सिविल जज सीनियर डिवीजन रवि कुमार दिवाकर की अदालत ने 12 मई को अधिवक्ता आयुक्त अजय कुमार मिश्र के सहयोग के लिए विशेष अधिवक्ता आयुक्त विशाल सिंह और सहायक अधिवक्ता आयुक्त अजय प्रताप सिंह को नियुक्त किया है। इसके बाद 14 मई से कमीशन की कार्रवाई शुरू हुई और 16 मई को पूरी हुई है। इस दौरान ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में शिवलिंग मिलने के बाद अदालत ने उस परिसर को सील करने का आदेश दे दिया। ऐसे में माना जा रहा था कि कमीशन की रिपोर्ट मंगलवार को न्यायालय में प्रस्तुत होगी। मगर, विशेष अधिवक्ता आयुक्त के आवेदन के बाद कमीशन की रिपोर्ट के लिए इंतजार और बढ़ गया है।

ज्ञानवापी सर्वे सांप्रदायिक उन्माद पैदा करने की साजिश-मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

लखनऊ (ईएमएस)। भारत में मुसलमानों के प्रमुख संगठन ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में कथित रूप से शिवलिंग मिलने के बाद अदालत के आदेश पर मस्जिद का वजू खाना बंद कराए जाने को नाइंसाफी करार देते हुए कहा कि यह पूरा घटनाक्रम सांप्रदायिक उन्माद पैदा करने की एक साजिश से ज्यादा कुछ नहीं है।

बोर्ड के महासचिव खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने सोमवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद, मस्जिद है और मस्जिद ही रहेगी। इसको मंदिर करार देने की कोशिश सांप्रदायिक उन्माद पैदा करने की एक साजिश से ज्यादा कुछ नहीं है। यह संवैधानिक अधिकारों और कानून के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1937 में दीन मोहम्मद बनाम स्टेट सेक्रेटरी मुकदमे में अदालत ने जबानी गवाही और दस्तावेजों के आधार पर यह बात तय कर दी थी कि यह पूरा अहाता (ज्ञानवापी मस्जिद परिसर) मुस्लिम वक्फ की मिल्कियत है और मुसलमानों को इसमें नमाज पढ़ने का हक है। अदालत ने यह भी तय कर दिया था कि कितना हिस्सा मस्जिद है और कितना हिस्सा मंदिर है। उसी वक्त वजू खाने को मस्जिद की मिल्कियत स्वीकार किया गया था।

बोर्ड महासचिव ने कहा कि फिर 1991 में ''प्लेसेस ऑफ़ वरशिप एक्ट'' संसद से पारित हुआ जिसका खुलासा यह है कि 1947 में जो इबादतगाहें जिस तरह थीं उनको उसी हालत पर कायम रखा जाएगा। साल 2019 में बाबरी मस्जिद मुकदमे के फैसले में उच्चतम न्यायालय ने बहुत साफ तौर पर कहा था कि अब तमाम इबादत गाहें इस कानून के मातहत होंगी और यह कानून दस्तूर हिंद की बुनियाद के मुताबिक है। उन्होंने वाराणसी की सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कानून का तकाजा यह था कि मस्जिद में मंदिर होने के दावे को अदालत फौरन खारिज कर देती लेकिन अफसोस, कि बनारस की सिविल अदालत ने इस स्थान के सर्वे और वीडियोग्राफी का हुक्म जारी कर दिया। वक्फ बोर्ड इस सिलसिले में उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा चुका है और वहां यह मुकदमा विचाराधीन है। इसी तरह ज्ञानवापी मस्जिद की इंतजामिया कमेटी भी सिविल कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटा चुकी है। वहां भी यह मसला सुनवाई के दौर में है लेकिन इन तमाम बातों को नजरअंदाज करते हुए सिविल अदालत ने पहले तो सर्वे का हुक्म जारी कर दिया और फिर उसकी रिपोर्ट कुबूल करते हुए वजू खाने के हिस्से को बंद करने का हुक्म जारी कर दिया।

ममता बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट से झटका

भतीजे अभिषेक से 24 घंटे के नोटिस पर पूछताछ कर सकेगी ईडी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने कोयला तस्करी के मामले में उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी और पत्नी रुजिरा बनर्जी से पूछताछ के लिए ईडी को अनुमति दे दी है। अदालत ने कहा है कि ईडी 24 घंटे के नोटिस पर अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी से पूछताछ कर सकती है। हालांकि अदालत ने अभिषेक और उनकी पत्नी को एक राहत भी दी है। ईडी अब उन्हें दिल्ली बुलाने की बजाय कोलकाता से ही पूछताछ करेगी। अभिषेक ने अदालत से मामले की जांच में जुड़ने के लिए दिल्ली जाने से छूट की मांग की थी। बंगाल सरकार की ओर से ईडी की पूछताछ का लगातार विरोध किया जा रहा था। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश केंद्रीय एजेंसियों से टकराव के बीच बंगाल सरकार के लिए बड़े झटके की तरह है। अदालत ने अपने फैसले में बंगाल सरकार से यह भी कहा है कि जांत अधिकारियों के सामने किसी तरह की बाधा या बदसलूकी नहीं होनी चाहिए। अभिषेक बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि उन्हें दिल्ली में ईडी के मुख्यालय आकर पूछताछ से छूट दी जाए। उनका कहना था कि बंगाल उनका गृह राज्य और वह वहीं पर मामले की जांच में सहयोग करना चाहता है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार को आदेश दिया कि वह ईडी की जांच में सहयोग करे। इसके साथ ही ईडी को इस बात की परमिशन दी है कि यदि बंगाल में कोई जांच में बाधा डालता है या फिर अधिकारियों से बदसलूकी की जाती है तो वह कोर्ट में आ सकती है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के परिजनों को थोड़ी राहत भी दी है। अभिषेक बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि उन्हें दिल्ली में ईडी के मुख्यालय आकर पूछताछ से छूट दी जाए। उनका कहना था कि बंगाल उनका गृह राज्य और वह वहीं पर मामले की जांच में सहयोग करना चाहता है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार को आदेश दिया कि वह ईडी की जांच में सहयोग करे। इसके साथ ही ईडी को इस बात की परमिशन दी है कि यदि बंगाल में कोई जांच में बाधा डालता है या फिर अधिकारियों से बदसलूकी की जाती है तो वह कोर्ट में आ सकती है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के परिजनों को थोड़ी राहत भी दी है।

सुनील जाखड़ के बाद कुलदीप बिश्नोई दे सकते हैं झटका हरियाणा में सतर्क हुई कांग्रेस

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रमुख सुनील जाखड़ ने नाटकीय अंदाज में पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया। ऐसे में पार्टी ने अब अपना ध्यान पड़ोसी हरियाणा पर केंद्रित कर दिया है जहां नए अध्यक्ष के बाद से बगावती सुर बाहर आने लगे हैं। सुनील जाखड़ ने पार्टी से अपना पांच दशक रिश्ता तोड़ते हुए अपने ठअंतिम संबोधनठ में कहा था, ठगुड लक और गुडबाय, कांग्रेसाठ अपने पंजाब समकक्ष की तरह, हरियाणा में भी कांग्रेस इकाई गुटबाजी और कलह से घिरी हुई है। उदाहरण के लिए हरियाणा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुलदीप बिश्नोई को ही ले लें, जिन्होंने 27 अप्रैल को सार्वजनिक रूप से अपनी नाराजगी व्यक्त की थी, जब पार्टी आलाकमान ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा के करीबी वफादार उदय भान को हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एचपीसीसी) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया था। नेतृत्व की भूमिका की चाह रखने वाले, पूर्व सांसद बिश्नोई ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी कि वह ठनाराजठ हैं, क्योंकि उन्हें एचपीसीसी के आला अधिकारियों के बीच जगह नहीं मिली। उसके बाद से उनका राज्य पार्टी नेतृत्व के साथ टकराव बना हुआ है। ठपरेशानठ बिश्नोई अब पार्टी के कार्यक्रमों को भी नजरअंदाज कर रहे हैं। 4 मई को चंडीगढ़ में राज्य पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उदय भान और एचपीसीसी के चार कार्यकारी अध्यक्षों ने अपनी नई नौकरी संभाली थी तो बिश्नोई उसमें शामिल नहीं हुए। कांग्रेस कार्यसामिति (सीडब्ल्यूसी) में विशेष आमंत्रित सदस्य होने के बावजूद बिश्नोई चिंतन शिविर में भी शामिल नहीं हुए। आदमपुर से चार बार के विधायक बिश्नोई हाल के दिनों में अपने गृह क्षेत्र और उसके आसपास जनसभाएं कर रहे हैं। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मुद्दों को उठाने के लिए भाजपा नेता और सीएम मनोहर लाल खट्टर से भी मुलाकात की है।

स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस सूरत और आईएनएस उदयगिरी लांच

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वदेशी युद्धपोत निर्माण के क्षेत्र में भारत के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। सोमवार को मुंबई के मझगांव डॉकयार्ड में दो स्वदेशी युद्धपोत लांच किए गए। इस मौके पर खुद देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे। भारतीय वायुसेना युद्धपोत आईएनएस सूरत (यार्ड 12707) और आईएनएस उदयगिरी (यार्ड 12652) के जरिए पूरी दुनिया को अपनी समुद्री ताकत दिखाई गई। दोनों ही युद्धपोतों की डिजाइन नौसेना के नेवल डिजाइन निदेशालय ने तैयार किया है। मुंबई में भारतीय नौसेना के विध्वंसक युद्धपोत आईएनएस सूरत और युद्धपोत आईएनएस उदयगिरी के शुभारंभ कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कोरोना और यूक्रेन में चल रहे उथल पुथल के बीच इन विध्वंसकों का निर्माण व शुभारंभ हमारी समुद्री क्षमता और आत्मनिर्भरता की एक मिसाल है।

बता दें कि प्रोजेक्ट 15बी श्रेणी के जहाज भारतीय नौसेना की अगली पीढ़ी के स्टेल्थ (रडार को चकमा देने में सक्षम) निर्देशित मिसाइल विध्वंसक हैं, जिन्हें मुंबई में मझगांव डॉक्स लिमिटेड (एमडीएल) में बनाया जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि 'सूरत' प्रोजेक्ट 15बी विध्वंसक का चौथा जहाज है, जो पी15ए (कोलकाता श्रेणी) विध्वंसक के एक महत्वपूर्ण बदलाव की शुरुआत करता है। अधिकारी ने कहा कि सूरत जहाज को ब्लॉक निर्माण पद्धति का उपयोग करके बनाया गया है,जिसमें दो अलग-अलग भौगोलिक स्थानों पर ढांचों का निर्माण शामिल है और इसे एमडीएल में एक साथ जोड़ा गया है।

इस श्रेणी का पहला जहाज 2021 में नौसेना में शामिल किया गया था। दूसरे और तीसरे जहाजों का जलावतरण हो चुका है और वे परीक्षण के विभिन्न चरणों में हैं। 'उदयगिरि' पोत का नाम आंध्र प्रदेश की पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है। यह प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स के तहत तीसरा पोत है। यह पी17 फ्रिगेट (शिवालिक श्रेणी) का उन्नत संस्करण है जिसमें बेहतर हथियार और सेंसर तथा मंच प्रबंधन प्रणाली लगी हैं। 15बी और पी17ए दोनों जहाजों का डिजाइन नौसेना डिजाइन निदेशालय द्वारा तैयार किया गया है।

पी. चिदंबरम के बेटे कार्ति चिदंबरम ने 50 लाख ले बनवाया 250 चीनियों का वीजा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सीबीआई ने कार्ति चिदंबरम पर आरोप लगाया है कि उन्होंने 50 लाख रुपये की घूस के बदले 250 चीनियों को भारत का वीजा दिलवाने में मदद की। ये लोग पंजाब में चल रहे एक प्रोजेक्ट में काम के लिए आए थे। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने सीबीआई के हवाले से यह जानकारी दी है। इस संबंध में सीबीआई ने उनके खिलाफ एक नया केस भी दर्ज कर लिया है। मंगलवार सुबह ही दिल्ली से चेन्नै तक सीबीआई ने कांग्रेस के सीनियर पी. चिदंबरम के बेटे कार्ति के 7 ठिकानों पर छापेमारी की थी। आरोप है कि कार्ति चिदंबरम ने 260 चीनियों का वीजा बनवाने में मदद के लिए 50 लाख रुपये की घूस हासिल की थी। इन लोगों को पंजाब के मानसा में स्थित एक पावर प्रोजेक्ट में काम करने के लिए भारत आना था। एक अधिकारी ने बताया कि यह प्रोजेक्ट एक निजी कंपनी द्वारा चल रहा था। सीबीआई ने चेन्नै स्थित कार्ति चिदंबरम के घर के अलावा मुंबई, ओडिशा, कर्नाटक और पंजाब में भी अलग-अलग लोकेशंस पर छापेमारी की। इसके अलावा पी. चिदंबरम और कार्ति चिदंबरम जिस घर में रहते हैं, वहां भी सीबीआई की टीम जांच के लिए पहुंची थी। सीबीआई इस बात की जांच कर रही है कि चीनी नागरिकों को ये वीजा किस दौरान दिलए गए थे। बता दें कि वीजा जारी किए जाने का मामला होम मिनिस्ट्री के अंतर्गत आता है। एजेंसी के सूत्रों का कहना है कि जांच आगे बढ़ने पर होम मिनिस्ट्री के तत्काली अधिकारी भी जांच के दायरे में आ सकते हैं। बता दें कि कार्ति चिदंबरम के पिता पी. चिदंबरम 2008 से 2012 के दौरान देश के होम मिनिस्टर थे। इस बीच छापेमारी को लेकर कार्ति चिदंबरम का रिएक्शन भी सामने आया है और उन्होंने इस पर तंज कसा है। कार्ति ने ट्वीट किया, 'मुझे तो अब याद भी नहीं है कि कितनी बार यह सब हुआ है? इसका एक रिकॉर्ड जरूर होना चाहिए।' गौरतलब है कि कार्ति के अलावा उनके पिता पी. चिदंबरम के खिलाफ भी एयरसेल मैक्सिस डील में सीबीआई और ईडी की ओर से जांच की जा रही है। एजेंसी के सूत्रों का कहना है कि जांच आगे बढ़ने पर होम मिनिस्ट्री के तत्काली अधिकारी भी जांच के दायरे में आ सकते हैं। बता दें कि कार्ति चिदंबरम के पिता पी. चिदंबरम 2008 से 2012 के दौरान देश के होम मिनिस्टर थे। इस बीच छापेमारी को लेकर कार्ति चिदंबरम का रिएक्शन भी सामने आया है और उन्होंने इस पर तंज कसा है। कार्ति ने ट्वीट किया, 'मुझे तो अब याद भी नहीं है कि कितनी बार यह सब हुआ है? इसका एक रिकॉर्ड जरूर होना चाहिए।' गौरतलब है कि कार्ति के अलावा उनके पिता पी. चिदंबरम के खिलाफ भी एयरसेल मैक्सिस डील में सीबीआई और ईडी की ओर से जांच की जा रही है।

योगी के दिए यूपी को लेकर पीएम मोदी के बड़े संकेत

लखनऊ (ईएमएस)। बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेपाल के लुंबिनी पहुंचे थे। लुंबिनी से वापसी में पीएम मोदी लखनऊ पहुंचे, जहां लखनऊ एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वागत किया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में सीएम योगी ने रात्रि भोजन का भी आयोजन किया था। प्रधानमंत्री मोदी योगी कैबिनेट के सभी मंत्रियों से मुलाकात कर योगी सरकार को लेकर कई दिशा निर्देश भी दिए। हालांकि कल योगी और पीएम मोदी की मुलाकात और हाव-भाव से कई बड़े संकेत निकल कर सामने आ रहे हैं। पहला बड़ा संकेत यही है कि जब योगी ने प्रधानमंत्री मोदी का लखनऊ में स्वागत किया, तब उसकी एक तस्वीर उन्होंने ट्विटर पर पोस्ट की। इस तस्वीर के साथ योगी ने लिखा शेषावतार भगवान श्री लक्ष्मण जी की पावन नगरी लखनऊ में आपका हार्दिक स्वागत व अभिनंदन...

योगी की ट्वीट के बाद इसकी चर्चा तेज हो गई है, कि क्या अयोध्या और प्रयागराज के बाद अब लखनऊ को भी नया नाम मिलने जा रहा है? आपको बता दें कि साधु-संतों और भाजपा नेताओं की ओर से लगातार लखनऊ को लक्ष्मणपुर करने की मांग की जाती रही है। हालांकि योगी ने कभी इस को लेकर अपनी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन इस तरीके से योगी ने पीएम मोदी का भगवान श्री लक्ष्मण की पावन नगरी में स्वागत किया। उसके बाद से लखनऊ के नाम बदलने की चर्चा तेज हो गई है। लखनऊ के राजनीतिक गलियारों में इसकी चर्चा लगातार हैं कि योगी सरकार लखनऊ के नाम परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रही है। यह अटकलें इसलिए भी लगाई जा रही हैं, क्योंकि इससे पहले लखनऊ का नाम बदलकर लखनपुरी, लक्ष्मणपुरी और लखनपुर करने की मांग उठाई जा चुकी है। योगी सरकार ने इससे पहले कई जगहों के नाम बदले हैं। इलाहाबाद और फैजाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज और फैजाबाद का नाम अयोध्या किया जा चुका है। इसी प्रकार मुगलसराय स्टेशन का नाम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखा गया था।

बहरहाल, लखनऊ का नाम बदलने की मांग बेवजह नहीं है। इसके पीछे भी आक्रांता औरंगजेब ही था, जिसने यहां से प्रभु लक्ष्मण की पहचान मिटाने का भरसक प्रयास किया। एक समय आज का लखनऊ जिसे लक्ष्मणपुर या लखनपुर कहा जाता था,गोमती नदी के किराने लक्ष्मण टीला के आसपास बसा हुआ था, जिसे अब पुराना लखनऊ कहा जाता है। अब 'लक्ष्मण टीला' का नाम पूरी तरह मिटा दिया गया है। यह स्थान अब 'टीले वाली मस्जिद' के नाम से जाना जाता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि लखनऊ की संस्कृति पर यह जबरदस्ती थोपा गया है। यह दावा लखनऊ के पूर्व बीजेपी सांसद लालजी टंडन(अब दिवंगत) ने अपनी किताब 'अनकहा लखनऊ' में भी किया है।

योगी ने एक और बड़ा संकेत दिया। प्रधानमंत्री जब यूपी उत्तर प्रदेश पहुंचते हैं तब योगी कुछ न कुछ देकर उनका स्वागत करते हैं। हमने कई बार देखा कि योगी भगवान राम या उनसे जुड़ी कोई तस्वीर या मूर्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट करते हैं। इसके अलावा काशी विश्वनाथ से जुड़ी कई मूर्तियां भी योगी आदित्यनाथ पीएम मोदी को भेंट कर चुके हैं। लेकिन इस बार कुछ नया था, कुछ अलग था। इसकारण इसकी चर्चा खूब हो रही है। दरअसल, इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को योगी आदित्यनाथ की ओर से भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति भेंट की गई है।

जब यह मूर्ति भेंट की जा रही थी, तब उस दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और स्वतंत्र देव सिंह भी मौजूद थे। इस मूर्ति को लेकर भी अब लगातार कयास लगाए जा रहे हैं। पहले भगवान श्री राम की मूर्ति दी जाती थी, तब अयोध्या मसले के हल की तरफ भाजपा सरकार का रुख रहा। उसके बाद काशी विश्वनाथ के की मूर्ति दिए गए, तब काशी में लगातार विकास के काम हो रहे हैं। इस बार योगी ने भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति दी है। क्या मथुरा में भी योगी सरकार कुछ नया और करने जा रही है? आपको बता दें कि मथुरा में भी शाही ईदगाह और कृष्ण जन्मभूमि के बीच विवाद है। पर मामला कोर्ट में है।

गेहूं निर्यात खोलने के लिए भारत पर दबाव बढ़ा, यूरोप के बाद अमेरिका ने भी किया आग्रह

नई दिल्लीः गेहूं निर्यात को लेकर भारत पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है। यूरोपीय देशों के बाद अब अमेरिका ने भी भारत से फैसले पर पुनर्विचार का आग्रह किया है। बुधवार को जी-7 देशों की एक विशेष बैठक में भी यह मुद्दा उठने की उम्मीद है। भारत को भी इसमें हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। उधर, भारत के रुख से साफ है कि वह गेहूं निर्यात के मामले में कूटनीतिक हितों का ध्यान रखेगा। किन देशों व क्षेत्रों को गेहूं की आपूर्ति की जानी है, इसका फैसला वैश्विक व्यवस्था में अपनी स्थिति को देखते हुए किया जाएगा। अभी यूक्रेन-रूस युद्ध की वजह से कई बड़े देशों में गेहूं की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। ऐसे में दुनिया के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक भारत को मुख्य आपूर्तिकर्ता के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन भारत ने कुछ विशेष मामलों में ही निर्यात का फैसला किया है। निजी सेक्टर के निर्यात पर रोक लगा दी गई है। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं की कीमतें बढ़ी हैं।

इंडोनेशिया, तुर्की, मिस्र जैसे बड़े देशों के व्यापारी पूरी दुनिया में जहां भी गेहूं मिल रहा है, वहां से खरीद रहे हैं। भारत के साथ द्विपक्षीय वार्ताओं में कई देशों के नेताओं ने आने वाले दिनों में वैश्विक स्तर पर गेहूं संकट की आशंका जताई है। मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की प्रतिनिधि लिंडा थामस ग्रीनफील्ड ने कहा, 'हमें भारत की तरफ से गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध की सूचना मिली है। हम हर देश से आग्रह करेंगे कि इस तरह का कदम नहीं उठाएं। इससे वैश्विक स्तर पर संकट बढ़ेगा।' इस बारे में संयुक्त राष्ट्र ने बैठक भी बुलाई है जिसमें भारत हिस्सा लेगा।

मंगलवार को भारत सरकार की तरफ से यह स्पष्टीकरण आया है कि गेहूं निर्यात पूरी तरह नहीं रोका गया है, बल्कि उसे नियंत्रित किया गया है। निर्यात का फैसला सरकार के स्तर पर होगा। सरकारी सूत्रों ने बताया है कि वैश्विक बाजार में हर देश यही करता है। गेहूं के बदले इंडोनेशिया से पाम आयल के सौदे से भी इन्कार नहीं किया गया है। सूत्रों का कहना है कि जिन देशों को खाद्य सुरक्षा के लिए गेहूं की जरूरत होगी, उनके प्रस्तावों पर भारत ज्यादा सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगा।

बता दें कि गेहूं निर्यात को नियंत्रित करने के लिए सरकार के ताजा फैसले को लेकर मचे हड़कंप पर सरकार ने एक बार फिर स्थिति स्पष्ट करते हुए मंगलवार को कुछ ढील दे दी। इससे कांडला बंदरगाह पर पहुंच चुके गेहूं निर्यात में सहूलियत मिल सकती है। सरकार ने कहा है कि जहां कहीं भी गेहूं की खेप को जांच के लिए सीमा शुल्क विभाग को सौंप दिया गया है अथवा 13 मई से पहले सीमा शुल्क में रजिस्टर कर दिया गया है, उन्हें निर्यात की अनुमति दी जाएगी। सरकार का यह बयान ऐसे समय आया है जब कांडला बंदरगाह पर भारी संख्या में गेहूं लदे ट्रक पहुंच गए हैं। कामर्स मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा कि सरकार ने मिस्र को निर्यात होने वाले गेहूं की खेप को अनुमति दी है। इसे लेकर कांडला बंदरगाह पर उसके जहाजों में गेहूं की लोडिंग हो रही है।

नीमच में हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर हुआ विवाद

नीमच । मध्य प्रदेश के नीमच शहर में हनुमान प्रतिमा की स्थापना को लेकर दो समूहों के बीच विवाद के बाद धारा 144 लागू कर दी गई है। शहर में पथराव, तोड़फोड़ और बाइक में आग लगाने की घटना के मामले में चार मामले दर्ज कए गए हैं। इसके साथ ही दोनों पक्षों से नौ लोगों को हिरासत में लिया गया है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए रात से ही बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। प्रशासन ने नीमच सिटी क्षेत्र में धारा 144 लागू कर रखी है। संवेदनशील क्षेत्र में ड्रोन कैमरा एवं सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगाह की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम पुरानी कचहरी क्षेत्र स्थित दरगाह के समीप कुछ लोगों ने हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित करनी चाही तो दूसरे पक्ष ने आपत्ति जताई। बताया जाता है कि उस समय समझाने के बाद मामला शांत हो गया, लेकिन शाम करीब साढ़े सात बजे के बाद विवाद गहरा गया। दोनों समुदायों के लोग एकत्र होकर आमने-सामने आ गए।

इसी दौरान पथराव, तोड़फोड़ और बाइक में आग लगा दी गई। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते संघर्ष बढ़ने से रोका और उपद्रवियों को खदेड़ दिया। इस दौरान उसने आंसू गैस के गोले भी छोड़े। तनावपूर्ण हालात देख शहर के सभी थानों से पुलिसकर्मियों को मौके पर तैनात किया गया। स्थिति नियंत्रित होने के बाद कलेक्टर मयंक अग्रवाल और पुलिस अधीक्षक सूरजकुमार वर्मा ने पैदल मार्च निकाला और दोनों पक्षों से संयम बरतने को कहा।

कार्टून कोना

जन हितैषी

चीन को दो टूक

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक दिवसीय दौरे पर पड़ोसी देश नेपाल के लुंबिनी पहुंचे। प्रधानमंत्री ने यहां लुंबनी में मायादेवी मंदिर में पूजा की, पवित्र पुष्कर्णी तालाब और अशोक स्तंभ की परिक्रमा की। भारत की मदद से बन रहे बुद्धिस्ट कल्चरल सेंटर के भूमि-पूजन में भी शामिल हुए। इस दौरान दोनों देशों के बीच सात अहम समझौते किए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दौरा कूटनीतिक लिहाज से काफी अहम है। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी की यह पांचवी बार नेपाल यात्रा है। वहीं, नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा दो बार भारत आ चुके हैं। 2017 और हाल ही में 2022 में उन्होंने भारत की यात्रा की थी। इस दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने समकक्ष नेपाली प्रधानमंत्री देउबा के साथ जल विद्युत, विकास और कनेक्टिविटी जैसे मसलों पर चर्चा की। नेपाल में प्रमुख रूप से दो राजनीतिक पार्टियों का दबदबा है। पहला कम्युनिस्ट पार्टी और दूसरा नेपाली कांग्रेस। अभी नेपाली कांग्रेस पार्टी की सरकार है। 13 जुलाई 2021 को ही शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री बने थे। इसके पहले 2018 से 2021 तक कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल के केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री थे। केपी शर्मा के कार्यकाल के दौरान भारत-नेपाल के रिश्तों में काफी खटास आई थी। शर्मा कम्युनिस्ट विचारधारा के थे और वह चीन के प्रभाव में थे। उन दिनों चीन की राजदूत का दखल सीधे प्रधानमंत्री से लेकर नेपाल के राष्ट्रपति कार्यालय तक था। इससे भारत और नेपाल के बीच कई विवाद शुरू हो गए थे। दोनों देशों में तनाव की स्थिति बन गई थी। नेपाल और चीन के बीच नजदीकियां बढ़ने का असर भारत पर पड़ेगा। नेपाल पर ज्यादा प्रभाव डालकर चीन उसकी जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ कर सकता है। यह सबसे खतरनाक स्थिति होगी। ऐसे में भारत को हर हाल में नेपाल से अपने रिश्ते सही रखने होंगे, वहीं नेपाल को भी चीन से सावधान रहने की जरूरत है। जब से देउबा प्रधानमंत्री बने हैं, भारत-नेपाल के रिश्तों में सुधार देखने को मिला है। यह अच्छी बात है। नेपाल को श्रीलंका के हालातों से सीख लेनी चाहिए। अगर नेपाल किसी भी तरह से चीन पर निर्भर हो जाता है तो आने वाले समय में उसकी हालत बहुत बुरी हो जाएगी। भारत-नेपाल के बीच अच्छे रिश्ते दोनों के लिए जरूरी हैं। चीन के कर्ज तले दबा श्रीलंका बर्बाद हो गया है। आर्थिक, सामाजिक स्थिति को काफी नुकसान पहुंचा है। लोग भूखे सोने को मजबूर हैं। महंगाई चरम सीमा पर है। ऐसे समय में भी चीन ने अपना कर्ज न तो माफ किया और न ही ब्याज पर कोई छूट दी, लेकिन श्रीलंका को भारत का सहारा मिला। इस कठिन परिस्थिति में भारत ने श्रीलंका की न केवल आर्थिक मदद की बल्कि खाद्य, तेल व अन्य जरूरी संसाधन भी मुहैया करा रहा है। इससे दोनों देशों के बीच रिश्ते जहां, मजबूत हो रहे हैं, वहीं श्रीलंका और चीन के बीच दूरियां बढ़ती जा रही हैं। श्रीलंका और नेपाल ही नहीं पिछले कुछ साल में चीन ने भूटान, म्यांमार, मालदीव में भी भारत के रिश्तों को खराब करने की कोशिश की थी। हालांकि, समय रहते भारत ने इन सभी को संभाल लिया। कोरोना के दौरान भारत ने भूटान को काफी मदद दी। इसी तरह म्यांमार में राजनीतिक हालात खराब थे। सेना ने वहां की सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद पूरी दुनिया ने म्यांमार को मदद भेजना बंद कर दिया। भारत ने म्यांमार सेना की इस कार्रवाई की तो निंदा की, लेकिन वहां के लोगों के लिए मदद जरूर जारी रखी। मालदीव में भी चीन ने मुख्य विपक्षी पार्टी के साथ मिलकर भारत विरोधी आंदोलन शुरू करवाया। हालांकि, सत्ताधारी पार्टी ने इस आंदोलन को ज्यादा तवज्जो नहीं दिया। इससे दोनों देशों के बीच रिश्ते अभी भी काफी अच्छे हैं। शेर बहादुर देउबा ने बीते साल जुलाई में जब नेपाल की कमान संभाली थी, तभी से यह अनुमान लगाए जाने लगे थे कि उनके दौर में भारत से दोस्ती बढ़ेगी। उनसे पहले पीएम रहे केपी शर्मा ओली को चीन का करीबी माना जाता था, जबकि देउबा सभी देशों के साथ समान रिश्तों के पक्षधर रहे हैं। इसके अलावा भारत से उनकी करीबी भी रही है। एक साल पहले बेहतर रिश्तों के लिए लगाए गए कयास अब सही साबित होते दिख रहे हैं और इसमें भारत के पीएम नरेंद्र मोदी की अहम भूमिका है। सवाल यह भी है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने नेपाल यात्रा के लिए बुद्ध पूर्णिमा का दिन ही क्यों चुना? दरअसल मोदी जानते हैं कि महात्मा बुद्ध कैसे नेपाल और भारत की साझा विरासत हैं। नेपाल पड़ोसी देश के साथ ही भारत का सांस्कृतिक साझेदार भी रहा है और काफी करीब रहा है। हालांकि बीते कुछ वर्षों में अलग-अलग सरकारों के दौर में नेपाल की चीन से भी करीबी बढ़ी है, लेकिन भारत का असर अब भी उस पर गहरा है। इसी असर को बनाए रखने और सांस्कृतिक एकता का संदेश देने के लिए पीएम मोदी ने यह अवसर चुना है।

20 लाख ईवीएम मशीने गायब? सरकार और चुनाव आयोग की चुप्पी?

भारत में चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली तथा लाखों ईवीएम मशीने गायब होने, चुनाव के दौरान अनाधिकृत रुप से ईवीएम के परिवहन का मुद्धा गर्माता जा रहा है। ईवीएम से चुनाव गड़बड़ी होने के आरोप विगत कई वर्षों से विपक्षी दल लगाते रहे है। पिछले कुछ चुनावों में ईवीएम मशीनों के अवैध परिवहन की घटनाओं, मतदान के अवैध मतपत्रों की गिनती तथा लाखों ईवीएम मशीन गायब होने का मामला एक बार फिर तूल पकड़ रहा है।

ईवीएम की गायब होना और अकल्पनीय चुनावी जीतों में क्या कोई सम्बन्ध है। यह प्रश्न लगातारपूछा जारहा है। हाल ही में कर्नाटक हाईकोर्ट में ईवीएम गायब होने का मुद्दा उठा था। कांग्रेस विधायक ने आरटीआई के हवाले से सदन में कहा था, कि 2016 से 2018 तक देश में 19 लाख ईवीएम गायब हैं।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी यह मुद्दा उठाया। कर्नाटक में कांग्रेस विधायक एचके पाटिल ने आरटीआई का हवाला देते हुए विधानसभा में जानकारी दी कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा सप्लाई की गईं 9.6 लाख ईवीएम और इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा सप्लाई की गईं 9.3 लाख ईवीएम 2016 से 2018 के बीच सरकारी रिकार्ड में गायब हो गईं। लेकिन इस मामले में चुनाव आयोग चुप है।

कर्नाटक विधानसभा में स्पीकर विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी ने इस मामले में चुनाव आयोग का पक्ष जानने की कार्यवाही की है।

पाटिल ने इस मामले की सीबीआई जांच की मांग भी की थी। उन्होंने 2750 पृष्ठ का जानकारी जिसे आरटीआई के माध्यम से ईवीएम बनाने वाली कंपनियां एवं चुनाव आयोग से किए गए, सवाल जवाब का ब्यौरा भी शामिल है। दस्तावेज के अनुसार ईवीएम बनाने वाली कंपनियों ने जो मशीनें चुनाव आयोग को सौंपी थी। उनमें से करीब 19 लाख मशीनों का कुछ अता-पता नहीं है। पाटिल ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के स्वतंत्र जांच कराने की मांग की थी। 9 लाख 64 हजार 270 मशीनें वापस ही नहीं मिली। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने यह भी दावा किया है कि उसने 2014 -15 के दौरान 62 हजार 183 मशीन सप्लाई की थी उनका भी कोई अता पता नहीं है. एसके पाटिल ने यह मुद्दा मार्च 2022 में विधानसभा में उठाया था। पाटिल ने कहा कि ईवीएम के परिवहन और खराब ईवीएम को डिस्पोज करने की प्रक्रिया में भी बहुत सी खामियां हैं। ईवीएम मशीनें बनाने वाली कंपनियों ने साफ कहा है कि ईवीएम मशीनों की उम्र 15 साल है। इसके बाद इनका उपयोग न किया जाए। किन्तु चुनाव आयोग ने एक्सपर्ट कमेटी की सिफारिश पर अमल नहीं किया और दूसरी तरफ अचानक जुलाई 2018 में नियम बना दिए गए।

2021 में प्रकाशित आयोग के मैन्युअल में इस बात का कहीं उल्लेख नहीं है, कि 15 साल से पुरानी ईवीएम को किस प्रकिया के तहत नष्ट किया जा रहा है। इस की जगह मैन्युअल में खोया-पाया नाम से एक चैप्टर जोड़ा गया है जिससे साफ़ जाहिर होता है, कि लाखों ईवीएम मशीनें गायब हुईं। तीन साल पहले 22 मई 2019 को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच में सीनियर एडवोकेट उमेश बोहरे ने कई दस्तावेजों के साथ एक जनहित याचिका में बताया था कि मरम्मत के लिए भेजी गयीं 20 लाख ईवीएम आयोग के पास वापस नहीं पहुंचीं। बॉम्बे हाईकोर्ट में आरटीआई कार्यकर्ता मनोरंजन रॉय ने 27 मार्च 2018 को भी ऐसी ही याचिका दायर की गयी थी। लेकिन केंद्र सरकार और चुनाव आयोग ने कोइ जवाब नहीं दिया।

ईवीएम की खरीद से लेकर वोटों की गिनती तक हर जगह गड़बड़ियॉ हैं। चुनाव आयोग ने कोर्ट को अभी तक नहीं बताया कि ईवीएम मशीन की खरीद में आयोग क्या प्रक्रिया अपनाता है। कई बार ईवीएम मशीनें की स्पीड-पोस्ट से भी मंगाई जाती है। 2019 में जब लोकसभा चुनाव हुए तो 373 सीटें ऐसी थी जहां पर जो वोट डाले गए थे, उससे कहीं ज्यादा वोट ईवीएम की मशीनों में गिने गए। यूपी में मथुरा की सीट पर इस तरह का अंतर 9 हजार वोट का था। तमिलनाडु की 2 सीटों पर तो 18 हजार से ज्यादा अंतर आया था। बाकी सीटों पर भी 2 हजार से लेकर 15 हजार वोटों का तक अंतर था। इस गड़बड़ी का जवाब चुनाव आयोग ने आज तक नहीं दिया। अब ईवीएम मशीनों से चुनाव की सारी प्रक्रिया पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है। यदि इसमें पारदर्शिता नहीं बरती गई, तो भारत की चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता और लोकतांत्रिक व्यवस्था संकट में है। (लेखक/ईएमएस-सनत जैन)

सवाल : अब कहाँ जाएँ हम....?

कश्मीरी पंडित विवादः चुनाव के इरादे ध्वस्त....?

पूरा देश आज विभिन्न विवादों को लेकर उद्वेलित है और सरकार पर काबिज दिग्गज मौन साधे हुए है, आज एक ओर जहां कश्मीरी पण्डितों व गैर कश्मीरियों की लगातार हत्याओं से जम्मू-कश्मीर अशांत है, वही विभिन्न मसलों को लेकर देश में फैल रहे साम्प्रदायिक उन्माद से देश का आम नागरिक डरा-सहमा है और जिसे सामने आकर इन विध्वंसक गतिविधियों को रोकना चाहिए, वे सरकार में काबिज लोग हाथ पर हाथ रखे बैठे है, उन्हें सिर्फ इस बात की चिंता है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा पर ऐसी परिस्थितियों में वे कब्जा कैसे कर पाएगें? उन्हें सिर्फ सियासत से मतलब है, आम देशवासी को दुःख-दर्द या देश की परेशानी से कोई सरोकार नहीं, इस स्थिति को लेकर सिर्फ देश चिंतित है, इसे चलाने वाले नहीं?

हमारी धरती के स्वर्ग जम्मू-कश्मीर की स्थिति आज यह है कि केन्द्र के अधीन और उप-राज्यपाल की सरपरस्ती में पल रहे इस राज्य में स्थिति दिनों-दिन भयावह होती जा रही है, एक ओर जहां खौफजदा कश्मीरी पण्ड़ितों को अपनी सुरक्षा को लेकर पहली बार सड़कों पर उतरना पड़ रहा है और सरकारी नौकरी से सामुहिक इस्तीफा देना पड़ रहा है, वहीं इस राज्य का आम नागरिक भी अपनी दैनंदिनी परेशानियों से जूझ रहा है, पूरे देश में पर्यटन उद्योग से सर्वाधिक आय वाला राज्य आज एक-एक पैसे को तरस रहा है, आम कश्मीरी के भी सभी आय के साधन पिछले दो साल से खत्म हो गए है, एक ओर कश्मीर के ये हाल है, दूसरी और केन्द्र सत्ता स्थापित करने के सपनों में खोई है। इसी सरकार ने 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद-370 खत्म कर इस राज्य का विशेष दर्जा खत्म किया था और यहां के नागरिकों को रंगीन सपने दिखाने का प्रयास किया था, वे सपने आज बदरंग होकर कश्मीरियों के सामने आ रहे हैं, पिछले तीन दशक से अपनी जन्मभूमि से निष्कासित कश्मीरी पण्डितों को केन्द्र में सत्तारूढ़ इसी राजनीतिक दल ने अपने 2014 के चुनावी घोषणा पत्र में उनकी खुशहाली के सतरंगी सपने दिखाये थे, किंतु इस दल के केन्द्र में सत्तारूढ़ होने के आठ साल बाद भी कश्मीरी पण्डित अपनी जन्मभूमि पर बसने के लिए तरस रहे है, यहां तक तो ठीक है अब तो उनकी हत्याएं तक की जाने लगी है, पिछले दो दिन में दो हत्याएं इसका ज्वलंत व ताजा उदाहरण है और जब ये कश्मीरी पण्डित अपनी जीवन रक्षा की मांग उठाने के लिए एकत्र होते है तो पुलिस उन पर लाठियां भांजती है, अब इन कश्मीरी पण्डितों का सरकार से एक ही सवाल है कि ''आखिर वे कहां जाए?'' अब अपनी नौकरियों से सामुहिक इस्तीफें दे देने के बाद इन कश्मीरी पण्डितों के सामने अपने जीवन यापन का भी सवाल खड़ा हो गया है, चूंकि दो दिन पहले एक कश्मीरी पण्डित युवक राहुल भट्ट की उसके कार्यालय में उसका नाम पूछकर हत्या की गई थी, इसलिए डरे-सहमें कश्मीरी पण्डितों ने अपनी नौकरियों से सामुहिक इस्तीफें दे दिए और पहली बार ऐसा व्यापक प्रदर्शन किया, जिस पर पुलिस ने लाठियां बरसाई, जिसमें कई कश्मीरी पण्डित घायल हुए।

अब स्थिति यह है कि एक ओर जहां केन्द्र में सत्तारूढ़ दल जम्मू कश्मीर विधानसभा के यथाशीघ्र चुनाव करवा कर अपनी सत्ता कायम करना चाहता है, वहीं दूसरी ओर आम कश्मीरी केन्द्र सरकार व सत्ताधारी दल से काफी नाराज है, अभी तक अनुच्छेद 370 खत्म करने की पीड़ा से वह उभर नही पाया है वहीं कश्मीर में आर्थिक संकट व जीवन यापन की परेशानी से वह व्यथित है। जहां तक इस राज्य की राजनीतिक स्थिति का सवाल है, अब धीरे-धीरे वहां के स्थानीय राजनीतिक दल आपसी मतभेदों के बावजूद केन्द्र सरकार व भाजपा के खिलाफ एकजुट हो रहे है, अब केन्द्र के सामने जहां इस राज्य में चुनाव कराने की संवैधानिक मजबूरी है, वहीं यहां राजनीतिक स्थिति भाजपा के अनुकूल बन नहीं पा रही है, इसी अहम दुविधा में मोदी सरकार है।

यह तो हुई एक राज्य विशेष की बात। अब यदि हम देश के मौजूदा माहौल पर गौर करें, तो उसे देखकर भी हर किसी को भारी चिंता होती है, देश का साम्प्रदायिक माहौल दिनों दिन विभिन्न मसलों को लेकर विस्फोटक होता जा रहा है, फिर वह चाहे मंदिर-मस्जिद का मामला हो या अन्य सामाजिक व आस्था से जुड़े मसलों का। इसीलिए आज देश का हर जागरूक नागरिक चिंतित है और सरकार मौन। अब ऐसी स्थिति के लिए क्या कहा जाए, किसे दोष दिया जाए व किसे दण्डित करने के बारे में सोचा जाए? (लेखक/ईएमएस-ओमप्रकाश मेहता)

कहो तो कह दूँ । 'फील्ड' की पोस्टिंग 'दम' से नहीं बल्कि 'जुगाड़' से मिलती हैं हुज़ूरे आला

ग्वालियर के पास गुना में काले हिरन के शिकारियों ने तीन पुलिस कर्मियों को गोली से भून दिया ,जाहिर है प्रदेश के मुखिया को गुस्सा आना था सुबह सुबह अफसरों की मीटिंग बुला ली, तमाम बड़े अफसर इकट्ठे हो गए, मुख्यमंत्री ने साफ़ साफ़ कह दिया कि जिस अफसर में दम हो वो ही फील्ड पर तैनात रहे और जो दम दार नहीं है वो फील्ड छोड़ दे त मुख्यमंत्री जी बेहद गुस्से में थे, बोले भृष्टाचार के मामले में ठजीरो टॉलरेंसठ चाहिए जो अफसर काम नहीं करते उन्हें हटा दें और इसी चक्कर में ग्वालियर के आईजी ठअनिल शर्माठ को मुख्यमंत्री ने नाप दिया त भले ही मुख्यमंत्री ये कह रहे हैं कि जिनमें दम और बहादुरी हो वे फील्ड पर तैनात हैं लेकिन क्या प्रदेश के 'नवजात शिशु' से लेकर 'अस्सी बरस के बुजुर्ग' को ये नहीं मालूम की फील्ड में पोस्टिंग कैसे होती है जिसके सर पर किसी नेता का हाथ होता है वो मलाईदार पोस्ट पर आ जाता है और जो बेचारा अपने काम के दम पर अपनी डयूटी बजाता है वो 'लूपलाइन' में पड़े पड़े अपनी जूतियाँ घिसता घिसता रिटायर हो जाता है अब अपने आई जी ग्वालियर शर्मा जी को ही देख लो, उनके बदले किसी दूसरे अफसर की पोस्टिंग ग्वालियर आईजी पद पर हुई थी, भाई साहब चार्ज लेने भी चले गए थे लेकिन शर्मा जी का जुगाड़ कोई कमजोर तो था नहीं सो जिस अफसर को भेजा गया था उसे वापस बुलाकर शर्मा जी को वंहा बैठा दिया गया, अब जिसके ऊपर एक बड़े नेता का हाथ हो उसका कौन कुछ बिगाड़ सकता है सो वे भी मजे से नौकरी कर रहे थे, सुबह छह बजे पुलिस कर्मियों की मौत की सूचना हुजूर को मिल गयी थी लेकिन वे घटना स्थल पर पंहुचे एक बजे, अब मुख्यमंत्री को गुस्सा आना स्वाभविक है सो तत्काल उन्हें हटा दिया गया त मुख्यमंत्री भी जानते होंगे की फील्ड में पोस्टिंग कैसे होती है जो नेता जिस अफसर को चाहता है उसे पोस्ट करवा लेता है अब जिसकी कृपा दृष्टि से अफसर को ठमलाईदार पोस्टिंगठ मिली हो वो किसी से क्यों डरेगा, जब ठ सैंया भये कोतवाल तो डर कहे का' त मुख्यमंत्री जी आप कितनी ही कड़ाई बरत लो, कितनी ही चेतावनी दे दो ये अफसर शाही अपनी गति से चलती है और चलती रहेगी, इसे बदलना हर किसी के बस की बात नहीं है नेताओ का क्या है वे तो आते जाते रहते हैं ग्पर ये तो ठतीस पेंतीस साल का पट्टाठ लिखवा कर लाये है इनका कौन क्या बिगाड़ लेगा त्भृष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की बात आपने भले ही कही हो लेकिन किसी दिन आम आदमी बन कर ठखसरेठ में अपना नाम चढ़वा कर दिखा दो, जमीन का 'नामांतरण' करवा कर दिखा दो यदि बिना चढ़ावे के इस काम में आप सफलता पा लो तो समझ लेना की ठराम राज्यठ आ गया है लेकिन अपने को मालूम है की ये कठिन ही नहीं बल्कि नामुमकिन है त मामाजी चेतवानी से कुछ नहीं होने वाला ऐसा एक्शन लो जिससे अफसरशाही को पता लग सके कि वे किसी 'सिंह' के राज में नौकरी कर रहे हैं

नगद दो भैया

अमेडिका में एक नया ट्रेंड शुरू हो गया है जितनी भी शदियां हो रही है उनके शादी के कार्ड में आजकल ये इबारत लिखी जाने लगी है ठआइये आका स्वागत है भोजन कीजिये मिठाई भी खाइये और गिफ्ट की बजाय नगद पैसे दीजिये तो आपका आभार होगाठ एक हिसाब से ये तरीका ठीक है गिफ्ट के नाम पर आजकल आदमी शादी में देता ही क्या है एक ठअटेचीठ दे देगा ज्यादा करीबी हुआ तो ठसूटकेसठ दे देता है वरना कूलकेस, कैसरोल, कटलरी सेट, डिनर सेट, लेमन सेट,, ओटीजी, मिक्सी, प्रेस, बेडशीट चीजे तो आम हो गयी हैं अब जब शादी के बाद गिफ्ट के पैकेट खोले जाते है तो जाते है तो पता लगता है की बीस डिनर सेट, अस्सी लेमन सेट, पचास कटलरी सेट, सौ बैड शीट, पचास कैसरोल आ गये हैं हाल ये होता है कि इनका करे भी तो क्या करे आदमीं सो बेचारा एक कोने में उन्हें रख कर राह तकता है कि जैसे ही किसी शादी का कार्ड आये सो इनमें से एक सेट उठाकर नाम की पर्ची बदल कर उन्हें टिका दें यानि ये सारे सेट इधर से उधर होते रहते हैं है खुलते कभी नहींत पैक के पैक इस घर से उस घर उस घर और न कहो उस घर से फिर इस घर लौटकर आ जाएँ इसलिए अमेरिका वालों ने सही किया साफ़ साफ़ कह दिया कि भैया ये प्लास्टिक और कांच की चीजों से हमें कोई लेना देना नहीं है आप तो नगद नारायण दो ताकि हमारे काम आये, हमें रिसेप्शन वाले का, घोड़ीवाले का, होटल वाले का, बेंड वाले का, सबका पेमेंट करना है नगद दोगे तो हमारे सर का बोझा हल्का हो जाएगा त्अपना तो मानना है कि अपने देश में भी ये ही सिस्टम हो जाना चाहिए बड़े बडे रंग बिरंगे कागज में लिपटे बड़े बड़े गिफ्ट पैक दिखते तो ऊपर से भारी भरकम हैं लेकिन जब खोलो तो उनमें प्लास्टिक के आधा दर्जन ग्लास निकलते हैं इसलिए बेहतर यही है कि नगढ़ दो झंझट ख़तम न पैक करने की चिकल्लस न लेने वाले को कोई परेशानी त

चिंतन शिविर

कांग्रेस ने अपना चिंतन शिविर निबटा दिया, उदयपुर की वादियों में तीन दिन तक कांग्रेस के लोगों ने भयानक चिन्तन किया कि उनकी पार्टी की गत ऐसी क्यों हुई है, लोगों ने अपने आने सुझाव भी दिए ही होंगे, बताता जा रहा है कि अब एक परिवार से एक ही व्यक्ति को चुनाव का टिकिट दिया जायेगा इसके अलावा जिसने पार्टी की पांच साल तक सेवा की हो उसे टिकिट की लाइन में लगने का हक़ होगा लेकिन इन तमाम शर्तो से ठगाँधी परिवारठ को छूट दी गयी है बीजेपी वाले सवाल उठा रहे है और मजा भी ले रहे है कि ये शर्तें गाँधी परिवार पर लागू क्यों नहीं होती तो बीजेपी वालों को ये मालूम नहीं है कि कांग्रेस का वजूद यदि बचा है तो वो गांधी परिवार के बल पर ही बचा हुआ है जिस दिन गाँधी परिवार पार्टी से पल्ला झाड़ लेगा उस दिन कांग्रेस भूतकाल की बात हो जाएगी और इसके पीछे कारण भी तो है हर नेता अपने आप को बड़ा नेता मानता है, जिसकी जो मर्जी हो बोल देता है सिर्फ गाँधी परिवार ही है जिसकी बात सब सुनते है इसलिए इस पर न तो तंज कसो और ना ही प्रश्न उठाओ ठकांग्रेस यानि गांधी परिवार और गांधी परिवार यानि कांग्रेसठ

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

श्रीमान जी ने श्रीमती जी से कहा 'पुरुष के जीवन में दो समय ऐसे होते है जब वो स्त्री को समझ नहीं पाता'

'कौन सेठ श्रीमती जी ने पूछा

ठशादी से पहले और शादी के बाद' श्रीमान जी ने उत्तर दिया (लेखक - चैतन्य भट्ट/ईएमएस)

आज का इतिहास 18 मई

1643 आस्ट्रिया की एन को फ्रांस में शासन के सारे अधिकार मिले.

1736 रूस ने रोम की मदद से तुर्की पर हमला किया.

1804 नेपोलियन बोनापार्ट को फ्रांस का शहंशाह घोषित किया गया.

1815 प्रसिया,रूस और आस्ट्रिया में शांति संधि हुई.

1899 अंतर्राष्ट्रीय शांति सम्मेलन का आयोजन हेंग नीदरलैंड्स में हुआ था.

1912 आर.जी.टोनी की फिल्म पुंडलिक मुंबई में प्रदर्शित की गई.

1919 ब्रिटिश दार्शनिक बर्ट्रेंड रसेल का जन्म हुआ.

1944 द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी में कई महत्वपूर्ण ठिकाने छीन लिये गए.

1954 यूरोपीय मानवाधिकार घोषणापत्र प्रभावी हुआ.

1967 राष्ट्रसंघ सेना गाजा पट्टी से हटाने की घोषणा की गई.

1974 भारत ने पहला परमाणु परीक्षण राजस्थान के रेगिस्तान में किया.

1988 अफगानिस्तान से सोवियत सैनिकों की वापसी शुरु हुई.

1995 राजस्थान के पूर्व राज्यपाल और उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सुखदेव प्रसाद का निधन.

दैनिक पंचांग

18 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.07 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मिथुन	07.09 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	09.23 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.39 बजे से
गुरु	मीन में	कन्या	13.51 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.01 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	18.16 ब.से
राहु	मेष में	धनु	20.32 बजे से
केतु	तुला में	मकर	22.37 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		कुंभ	00.24 बजे से
		मीन	01.57 बजे से
		मेष	03.27 बजे से

बुधवार 2022 वर्ष का 138 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख)
पक्ष कृष्ण **तिथि** तृतीया 23.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 08.10 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 18.44 बजे को समाप्त।
करण वणिज 13.18 बजे तदनन्तर विष्टि 23.37 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 17.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 30'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871252
जूलियन दिन 2459717.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सव्वाल
तारीख 16

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7289

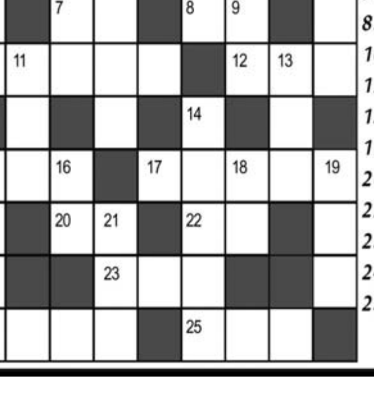

बाएँ से दाएँ

1. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3. रहस्य का ज्ञाता-4
6. खुशबू,सुगंध-3
7. सौ,सैकड़ा,शतक-2
8. दुलारा,लाड़ला-2
10. नाम रखना-5
12. दाम,मूल्य,दर-3
15. अग्नि,आग-3
17. सम्मान देना -2,3
20. जन्नत,अप्सरा-2
22. दाम,कीमत-2
23. स्थान-3
24. अचरज भरा कार्य-4
25. गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2. न्यूनता,कमी-5
3. अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4. आवश्यकता-4
5. राजी करना,मान मनुहार करना-3
7. वहम,संदेह-2
9. भाग्यशाली(अंग्रजी-2)
11. मैला,दागदार-3
13. धोखेबाज,कपटी-3
14. मन मोहने वाला-5
15. अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16. रक्त,खून-2
18. आनेवाला दिन-2
19. नृत्य करना-3
21. चांदी-3

शब्द पहेली -7288 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने सुपर जायंट्स को हराने के इरादे से उतरेगी केकेआर

नवी मुंबई (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को बड़े अंतर से हराकर अपनी आईपीएल प्लेऑफ की हल्की सी उम्मीदें बनाये रखने उतरेगी। वहीं दूसरी ओर लखनऊ का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही प्लेऑफ में जगह बनाना ओर अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल करना रहेगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। केकेआर ने अब तक खेले गये 13 मैचों में से छह जीते हैं और उसे 12 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है। ऐसे मे अब अगर वह मैच को बड़े अंतर से भी जीतती है तो भी उसके 14 अंक ही होंगे। ऐसे में उसे प्लेऑफ के लिए अन्य टीमों के परिणामों पर भी आधारित रहना होगा जबकि लखनऊ की टीम को प्ले-ऑफ में जगह के लिए ज्यादा परेशानी नहीं है। टीम के 13 मैचों में 16 अंक है और इस मैच में जीत से ही वह प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। जाएगा। इसके बाद भी जायंट्स की राह आसान नहीं है क्योंकि केकेआर ने पिछले दो मैचों में मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है।

केकेआर टीम की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर के अलावा आरोन फिंच , आंद्रे रसेल और सैम बिलिंग्स जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी। पिछले मैच में रसेल और बिलिंग्स ने शानदार साझेदारी कर अपनी टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया था। अब टीम को इनसे इस मैच में भी इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी।

टीम की चिन्ता हालांकि वेंकटेश अय्यर का लय में नहीं होना है , इसके अलावा नितीश राणा भी अब तक रन नहीं बना पाये हैं। वहीं गेंदबाजी में तेज गेंदबाज उमेश यादव और टिम साउदी के अलावा रसेल भी प्रभावी रहे हैं। स्पिनर के तौर पर टीम के पास सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं दूसरी ओर कप्तान लोकेश राहुल की टीम लखनऊ को पिछले दोनो मैचों में हार मिली है जिससे वह उबरना चाहेगी। इन दोनो ही मैच में राहुल ने टीम की हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया था। टीम की एक बड़ी कमजोरी कप्तान पर अधिक निर्भरता रही है। राहुल ने सत्र में दो शतक लगाये है पर वह पिछले तीन मैच में रन नहीं बना पाये जिसमें से दो में टीम हारी है। इसके अलावा एक और प्रमुख बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक भी पिछली दो पारियों से रन नहीं बना पाये हैं। टीम के लिए राहत की बात है कि दीपक हुड्डा अच्छे रन बना रहे हैं। इसके अलावा टीम को युवा आयुष बडोनी और मार्कस स्टोइनिस के भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। गेंदबाजी की बात करें तो टीम के पास तेज गेंदबाज आवेश खान, मोहसिन खान के अलावा ऑलराउंडर जेसन होल्डर और स्पिनर रवि बिश्नोई भी है।

टीम की गेंदबाजी अधिकतर मैचों में अच्छी रही है पर पिछले दो मुकाबलों में उसके गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे जिस कारण उसे इन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब उसके गेंदबाजों को भी अच्छी लाइन व लैंथ से गेंदबाजी करनी होगी। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

लखनऊ सुपर जाइंट्स : लोकेश राहुल (कप्तान), मनन वोहरा, एविन लुईस, मनीष पांडे, क्विंटन डिकॉक, रवि बिश्नोई, दुष्मंता चमीरा, मोहसिन खान, मयंक यादव, अंकित राजपूत, आवेश खान, एंड्रयू टाय, मार्कस स्टोइनिस, काइल मेयर्स, करण शर्मा, कृष्णप्पा गौतम, आयुष बडोनी, दीपक हुड्डा, कृणाल पंडया और जेसन होल्डर।

कोलकाता नाइट राइडर्स : आरोन फिंच, अभिजीत तोमर, अजिंक्य रहाणे, बाबा इंद्रजीत, नीतीश राणा, प्रथम सिंह, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर (कप्तान), अशोक शर्मा, पैट कमिन्स, रसिख डार, शिवम मावी, टिम साउदी, उमेश यादव, वरुण चक्रवर्ती, अमन खान, आंद्रे रसेल, अनुकुल रॉय, चमिका करुणारत्ने, मोहम्मद नबी, रमेश कुमार, सुनील नारायण, वेंकटेश अय्यर, सैम बिलिंग्स, शेल्डन जैक्सन।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत दौरे के लिए घोषित की टीम , बावुमा होंगे कप्तान

स्टब्स पहली बार शामिल , पर्नेल की वापसी

जोहानिसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका ने अगले माह होने वाले भारत दौरे के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। दक्षिण अफ्रीकी टीम अपने इस दौरे में पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी और इसके लिए टीम की कप्तानी तेम्बा बावुमा को सौंपी गयी है। इस टीम में युवा खिलाड़ी ट्रिस्टन स्टब्स को पहली बार शामिल किया गया है। इसके अलावा वायने पर्नेल की भी लंबे समय बाद टीम में वापसी हुई है। पर्नेल ने साल 2017 में पहली बार दक्षिण अफ्रीकी टी20 टीम की ओर से खेला था।

वहीं स्टब्स को क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के टी20 चैलेंज में अच्छे प्रदर्शन के कारण शामिल किया गया है। उन्होंने सात पारियों में 293 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट 183.12 था। वह जिम्बाब्वे दौरे के लिये दक्षिण अफ्रीका की 'ए' टीम में भी हिस्सा रहे थे जिसके बाद उन्हें आईपीएल के लिए मुंबई इंडियन्स ने अपनी टीम में जगह दी थी।

वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज एनरिक नोर्किया तथा बल्लेबाज रीजा हेंड्रिक्स और हेनरिक क्लासेन को भी टीम में शामिल किया गया है। नोर्किया अभी आईपीएल में खेले रहे हैं।

दोनो देशों के बीच पांच मैचों की टी20 श्रृंखला नौ जून को नई दिल्ली में शुरू होगी। इसके बाद कटक में 12 जून, विशाखापत्तनम में 14 जून, राजकोट में 17 जून और बेंगलुरू में 19 जून को मैच खेले जाएंगे।

दक्षिण अफ्रीका टीम :

तेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, वायने पर्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, कैगिसो रबाडा, तबरेज़ शम्सी , ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वान डर डुसेन, मार्को यानसेन।

मोनफिल्स और स्वितोलिना फ्रेंच ओपन से हटे

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस के गाएल मोनफिल्स और उनकी पत्नी एलिना स्वितोलिना रविवार से शुरु हो रहे फ्रेंच ओपन टेनिस में नहीं खेलेंगे। इन दोनो ने ही अपने-अपने नाम वापस ले लिए हैं। पुरुष एक ल खिलाड़ी मोनफिल्स ने दाएं टखने की चोट के कारण अपना नाम वापस लिया है क्योंकि उन्हें इससे उबरने के लिए सर्जरी करानी है। मोनफिल्स को अप्रैल में मोंटे कार्लो मास्टर्स में खेलने के समय ही पैर में चोट लग गयी थी जिससे वह अब तक नहीं उबर पाये हैं।

इसी कारण मोनफिल्स फ्रेंच ओपन की अभ्यास प्रतियोगिता लियोन ओपन में भी शामिल नहीं हुए। इस खिलाड़ी ने ट्विटर पर लिखा, 'मुझे आपको यह बताते हुए दुख हो रहा है कि मुझे अगले सप्ताह शुरु हो रहे ओपन पार्स डि लियोन और फ्रेंच ओपन से हटना पड़ा है।' फ्रेंच ओपन रविवार से शुरू होगा। वहीं मोनफिल्स की पत्नी और महिला टेनिस स्टार एलिना स्वितोलिना भी फ्रेंच ओपन में हिस्सा नहीं लेंगी। स्वितोलिना फ्रेंच ओपन में 3 बार क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थीं। इस खिलाड़ी ने मानसिक तनाव के कारण टेनिस से ब्रेक लेने का फैसला किया है।

आईपीएल प्लेऑफ की चौथी टीम को लेकर मुकाबला रोमांचक हुआ।

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के 15 वें सत्र में प्लेऑफ की तस्वीर अब तकरीबन साफ होने लगी है। दिल्ली कैपिटल्स की पंजाब किंग्स पर जीत के साथ ही चौथे स्थान के लिए टक्कर ओर रोमांचक हो गयी है। कैपिटल्स की टीम 13 मैचों में 7वीं जीत हासिल करने के साथ ही 14 अंक लेकर अंकतालिका में चौथे नंबर पर पहुंच गयी है। अब तक लीग में 64 मुकाबले हो गये हैं और अब केवल 6 ही मैच ही शेष हैं। गुजरात टाइटंस की टीम 20 अंक के साथ पहले स्थान पर होने के साथ ही प्लेऑफ में पहुंच गयी है। वहीं राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपरजायंटस के 16-16 अंक हैं पर बेहतर रन औसत के आधार पर रायल्स टीम दूसरे स्थान पर आ गयी है जबकि सुपरजायंटस तीसरे नंबर पर है। इन दोनो का भी प्लेऑफ में पहुंचना तय है।

वहीं एक अन्य टीम आरसीबी का रनरेट नेगेटिव में है। राजस्थान को अंतिम मैच में 20 मई को सीएसके से खेलना है। राजस्थान अगर इस मैच में बड़े अंतर से हारती है तभी उसका औसत लखनऊ और आरसीबी से नीचे आएगा। दूसरी ओर सुपर जायंट्स को पिछले मैच में हार मिली थी जिससे उसका रन औसत गिरा है पर वह अब भी प्लस में है। टीम अब अगर बुधवार को केकेआर से लगभग 80 रन से अधिक से हारती है तो ही वह शीर्ष-3 की दौड़ से बाहर होगी।

वहीं कैपिटल्स का रनरेट भी प्लस में है। उसके अभी 13 मैच में 14 अंक है। उसे अपना अंतिम मैच 21 मई को मुंबई इंडियंस से खेलना है। टीम यदि यह मैच जीत जाती है, तो उसके 16 अंक हो जाएंगे और रनरेट बढ़ेगा पर अगर वह यह मैच हार जाती है और आरसीबी की टीम गुजरात को हरा देती है, तो दिल्ली की टीम बाहर हो जाएगी। अगर दोनों ही टीमों को अंतिम मैच में हार मिलती है, तो 14 अंक वाली टीमें रेस में पहुंच सकती है।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद

सेंसेक्स 1344 और निफ्टी 418 अंक ऊपर आया

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार के लिए मंगलवार का दिन अच्छा रहा और बाजार ने अच्छी वापसी की। सप्ताह के दूसरे की कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से बाजार में यह उछाल आया है। आज सुबह से ही बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई जो समय के साथ ही बढ़ती गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स के सभी शेयर लाभ के साथ ही शेयर हरे निशान पर बंद हुए जबकि पचास शेयरों पर आधारित निफ्टी के 49 शेयर हरे निशान पर रहे।

कारोबार के अन्त में सेंसेक्स 1344.63 अंक ऊपर आकर 54318.47 के स्तर पर बंद हुआ जबकि निफ्टी भी 418.00 अंक की तेजी के साथ ही 16259.30 पर बंद हुआ। आज की बढ़त के पीछे मुख्य भूमिका धातु शेयरों की रही। हंडाल्को , टाटा स्टील, कोल इंडिया , जेएसडब्ल्यू और ओएनजीसी के शेयरों को आज सबसे ज्यादा लाभ हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान पर बंद हुए। धातु इंडेक्स 7 फीसदी से ज्यादा बढ़कर बंद हुआ। वहीं दूसरे सभी सेक्टोरल इंडेक्स 1 से 3 फीसदी तेजी पर रहे। बीएसई मिडकैप और स्मालकैप इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा ऊपर आया हालांकि एलआईसी के शेयरों की लिस्टिंग से बाजार प्रभावित हुआ। इसकी लिस्टिंग कमजोर रही और ये कंपनी शेयर इश्यू प्राइस से नीचे लिस्ट हुए। पूरे दिन एलआईसी के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान में कारोबार करते रहे और कारोबार के अन्त में 73.75 अंक यानी 7.77 फीसदी नीचे आकर 875.25 के स्तर पर बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, लार्सन एंड टूब्रो, विप्रो, आईसीआईसीआईआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और मारुति के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कंपोजिट बढ़त के साथ बंद हुए।

श्रीलंकाः राष्ट्रपति गोटबाया के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव, संसद में हुआ असफल

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंकाईराष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के खिलाफ विपक्ष द्वारा पेश किया गया अविश्वास प्रस्ताव मंगलवार को संसद में असफल हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक, विपक्षी तमिल नेशनल एलायंस (टीएनए) के सांसद एम ए सुमंथिरन द्वारा राष्ट्रपति राजपक्षे को लेकर नाराजगी जताने वाले मसौदे पर बहस के लिए संसद के स्थायी आदेशों को निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया था। रिपोर्ट में बताया गया कि 119 सांसदों ने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। केवल 68 सांसदों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया जिससे अविश्वास प्रस्ताव असफल हुआ।

रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रस्ताव के साथ विपक्ष ने यह दिखाने की कोशिश की कि राष्ट्रपति राजपक्षे के इस्तीफे की देशव्यापी मांग देश की विधायिका में कैसे परिलक्षित होती है। इधर, श्रीलंका के नवनियुक्त प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा था कि उनका लक्ष्य किसी व्यक्ति, परिवार या समूह को नहीं बल्कि संकटग्रस्त देश को बचाना है। विक्रमसिंघे (73) ने कहा कि श्रीलंका की समुद्री सीमा में मौजूद पेट्रोल, कच्चे तेल, भट्ठी तेल की खेपों का भुगतान करने के लिए खुले बाजार से अमेरिकी डॉलर जुटाने है। अगले दो महीने सबसे कठिन हो सकते हैं।

वहीं, राष्ट्रपति राजपक्षे ने राष्ट्रव्यापी संबोधन में कहा था कि संविधान में 19वें संशोधन की सामग्री को अधिनियमित करने के लिए एक संवैधानिक संशोधन पेश किया जाएगा,

यूक्रेन ने मारियुपोल में 82 दिन बाद मानी 'हार', स्टील फैक्ट्री से सैनिकों को निकाला

मारियुपोल (ईएमएस)। मारियुपोल शहर में रूस के पिछले 82 दिनों से जारी भीषण बमबारी के बाद अंततः यूक्रेन ने 'हार' मान ली है। यूक्रेन ने मारियुपोल में अपने युद्धक मिशन को बंद करने का ऐलान किया है। साथ ही यूक्रेन ने शहर से बाहर बनी स्टील फैक्ट्री में पिछले कई दिनों से रूसी सेना को जोरदार जवाब दे रहे अपने सैनिकों को निकालना शुरू कर दिया है। सबसे पहले 260 सैनिकों को बाहर निकाला गया है जो बुरी तरह से घायल थे, लेकिन रूसी हमले के कारण उन्हें निकाला नहीं जा सका था। रणनीतिक रूप से बेहद अहम बंदरगाह शहर मारियुपोल पर अब पूरी तरह से रूसी सेना का नियंत्रण है, जिसे पुतिन के लिए यूक्रेन से जंग में सबसे बड़ी उपलब्धि माना जा सकता है।

यूक्रेन की सेना के जनरल स्टाफ ने एक बयान जारी करके कहा मारियुपोल की रक्षा के लिए तैनात सेना ने अपने लड़ाकू मिशन को पूरा कर लिया है। सुप्रीम मिलिट्री कमांड ने अजोवस्तल स्टील फैक्ट्री में मौजूद कमांडरों को आदेश दिया है कि वे अपने सैनिक की जान बचाएं। यूक्रेन की सेना ने कहा कि मारियुपोल के रक्षक हमारे समय के हीरो की तरह से हैं और इतिहास में उन्हें याद रखा जाएगा। इसमें विशेष अजोव यूनिट शामिल है। यूक्रेन के उपरक्षा मंत्री हन्ना मालियर ने सोमवार रात कहा कि 53 बुरी तरह से घायल सैनिकों को रूस के नियंत्रण वाले नोवोअजोवस्क कस्बे और 200 अन्य लोगों को ओलेनिवका से निकाला गया है। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि इस स्टील फैक्ट्री में अभी कितने सैनिक मौजूद हैं लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा हम अपने सैनिकों की रक्षा करने की आशा करते हैं।

जेलेंस्की ने कहा मैं यह रेखांकित करना चाहता हूं कि यूक्रेन को अपने हीरो को जिंदा लाना जरूरी है। यह हमारा सिद्धांत है। यूक्रेन के अपने सैनिकों को स्टील फैक्ट्री से वापस निकाले जाने से यूक्रेन की जंग में अब तक के सबसे खूनी और लंबे युद्ध का खात्मा हो गया है। वहीं यह यूक्रेन की सेना के लिए एक बहुत अहम हार और पुतिन के लिए बड़ी जीत की तरह से है। मारियुपोल शहर खंडहर में बदल चुका है और यूक्रेन का दावा है कि रूसी सेना ने कब्जा करने से पहले हजारों की तादाद में लोगों को मार डाला। वहीं यूक्रेन के लोगों के लिए स्टील फैक्ट्री रूसी हमले के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक बन गई थी, जहां शहर पर रूसी सेना के कब्जे के बाद भी 3 हजार जवान हार नहीं मान रहे थे और जोरदार जवाबी कार्रवाई कर रहे थे। ऐसे आरोप हैं कि रूसी सेना ने यूक्रेन के इन सैनिकों का मनोबल तोड़ने के लिए फास्फोरस बम का इस्तेमाल किया। अजोव रेजिमेंट का निर्माण राष्ट्रवादी समूहों की ओर से रूस के क्रीमिया पर कब्जे के बाद किया गया था।

पुतिन के परमाणु बमों को 'कुचल' देंगे, न्यूक्लियर अटैक की धमकी पर ब्रिटेन ने दिया जवाब

लंदन (ईएमएस)। रूस यूक्रेन के साथ युद्ध लड़ रहा है और वह लगातार पश्चिमी देशों को धमकियां भी दे रहा है। हाल ही में रूस ने धमकी दी थी कि वह 10 सेकंड में अपनी हाइपरसोनिक मिसाइल के जरिए फिनलैंड को खत्म कर सकता है। इसके साथ उसने कहा था कि बाल्टिक देशों को वह मूंगफली की तरह तोड़ सकता है। इन बयानों के बाद रूसी मीडिया पर लगातार बताया जा रहा है कि कैसे उनके मिसाइल ब्रिटेन को समुद्र के अंदर डुबो देगा।

रूस की परमाणु बम की चेतावनी को देखते हुए अब ब्रिटेन ने भी जवाब देना शुरू किया है। ब्रिटेन के परमाणु रक्षा प्रमुख ने कहा है कि परमाणु हथियार प्रतिष्ठान (एडब्ल्यूई) हर तरह के खतरे को रोकने के लिए तैयार है। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि एटॉमिक वेपन इस्टैब्लिशमेंट यूके के परमाणु बमों को बनाता है, उन्हें सुरक्षित रखता है और जरूरत पड़ने पर उन्हें नष्ट करता है। यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे चरम खतरा परमाणु बम को भी खत्म करने में सक्षम है। ये जवाब भी दे सकता है। एक नए परमाणु हथियार को डिजाइन करने की क्षमता को बनाए रखना इसकी आवश्यक्ता होनी चाहिए। हम रूस के खतरनाक इरादों को कुचलने की सामर्थ्य रखते हैं।

रूस की रक्षा समिति के अपाध्यक्ष अलेक्सी जुरावलेव ने दावा किया कि 10 सेकंड के अंदर फिनलैंड पर सेटन-2 मिसाइल के जरिए आक्रमण किया जा सकता है। माना जा रहा है कि रूस को युद्ध में कामयाबी न मिलने से सेना में हताशा छाई हुई है। वहीं, पश्चिमी देश एकमत हैं, जिस वजह से रूस लगातार उन्हें डराने के लिए परमाणु बमों की धमकी दे रहा है। फिनलैंड को यह धमकी ऐसे समय में दी गई है, जब उसने कहा कि वह नाटो का सदस्य बनेगा। रूस के पूर्व प्रधानमंत्री मिखाइल कास्यानोव ने कहा है कि व्लादिमीर पुतिन को यह अहसास है कि वह युद्ध हार रहे हैं। उन्होंने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कहा कि विक्ट्री डे की स्पीच के दौरान भी पुतिन का आत्मविश्वास कम देखने को मिला। उनका भाषण बेहद कमजोर था। मिखाइल 2000-2004 तक रूस के प्रधानमंत्री थी। उस दौरान पहली बार पुतिन सत्ता में आए थे।

प.रे. महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद द्वारा महिला सफाईकर्मियों को राशन किट और सैनिटरी पैड्स का वितरण

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद (ँ६) रेल कर्मियों और उनके परिवारों को न सिर्फ हरसंभव सहायता प्रदान करने में, बल्कि समाज के कमज़ोर तबकों को भी मदद पहुँचाने के समय हमेशा आगे रहा है। इसी क्रम में,17 मई, 2022 को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद की अध्यक्षा श्रीमती गीतिका जैन ने अहमदाबाद रेलवे स्टेसशन पर 50 महिला सफाई कर्मियों को राशन किट एवं सैनिटरी पैड्स का वितरण किया। श्रीमती जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि ,गत दो वर्षों से चल रही कोविड-19 महामारी से सफाई कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है,जिसके कारण उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मानवतावादी दृष्टिकोण अपनाते हुए पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद ने 50 महिला कर्मचारियों को सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया। श्रीमती जैन ने अपने संबोधन में महिला सफाई कर्मियों के प्रति अपनी हार्दिक सहानुभूति व्यक्त की जो वर्तमान में पर्याप्त कमाई करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि वह महिला सफाई कर्मियों से मिलकर बहुत खुश हैं और यह हमेशा से ही पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद का प्रयास रहा है कि जरूरतमंद लोगों, विशेषकर उन लोगों जो अहमदाबाद मण्डल रेलवे परिवार का हिस्सा हैं, सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने महिला कर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि वे अपनी मेहनत एवं लग्न से रेलवे स्टेशन, ट्रेनों, रेलवे परिसर, रेलवे कॉलोनी इत्यादि सभी जगहों की स्वच्छता सुनिश्चित करते हैं । आगे जानकारी देते हुए श्रीमती जैन बताया कि मासिक चक्र के दौरान खुद को स्वच्छ रखकर गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि इस दौरान गंदे कपड़े का प्रयोग करने से गंभीर बीमारी भी हो सकती है। इससे हमेशा संक्रमण का खतरा बना रहता है। इस दौरान महिलाओं को महिला जन्य बीमारी उपचार एवं इसमें सैनिटरी पैड की उपयोगिता के बारे में बताया गया है। उन्होंने यह भी महिलाओं को समझाया गया है कि काफी कम कीमत में सैनिटरी पैड का उपयोग कर वे बड़ी बीमारी से बच सकती हैं। इस अवसर पर 50 महिला कर्मियों को राशन किट जिसमें 2 किलो चावल,1 किलो तूअर दाल,1 किलो चीनी, चाय पत्ती, हल्दी, धनिया एवं मिर्च पाउडर शामिल है। तथा ह्न–ह्न सैनिटरी पैड्स के पैकेट्स का वितरण किया गया। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद के सेवा के इस कार्य से सभी सहायक अभिभूत हुए और उन्होंयने संगठन की उदारता के प्रति आभार व्यक्त किया।

पीएम मोदी के कार्यक्रम में नरेश पटेल आमंत्रित, भाजपा में शामिल होने की अटकलें तेज

अहमदाबाद (ईएमएस) पाटीदार नेता और खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरेश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राजकोट में होनेवाले कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया हैं जिसके बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि पीएम मोदी की उपस्थिति में नरेश पटेल भाजपा में शामिल हो सकते हैं बता दें कि पीएम मोदी आगामी 28 मई को गुजरात दौरे पर आ रहे हैं 28 मई की सुबह पीएम मोदी गांधीनगर में आयोजित सहकार महा सम्मेलन को संबोधित करेंगे और उसके बाद राजकोट में पाटीदार गॉबल मल्टीस्पेशियालिटी अस्पताल का लोकार्पण करेंगे पाटीदार समाज ट्रस्ट की ओर से 40 करोड़ रुपए की लागत से 200 बेड वाला मल्टीस्पेशियालिटी अस्पताल का निर्माण कराया गया हैं इस मौके पर पीएम मोदी पाटीदारों को भी संबोधित करेंगे गुजरात भाजपा के उपाध्यक्ष भरत बोघरा ने बताया कि आज राजकोट में प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटील ने सौराष्ट्र के 9 जिलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम में 3 से 4 लाख लोगों को एकत्रित किया जाएगा पाटीदार ग्लॉबल मल्टीस्पेशियालिटी अस्पताल के लोकार्पण कार्यक्रम में सभी समाज के अग्रणियों को आमंत्रित किया गया हैं जिसमें खोडलधाम के प्रमुख नरेश पटेल को भी न्यौता दिया गया हैं इस आमंत्रण के बाद यह अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या नरेश पटेल पीएम मोदी की उपस्थिति में भाजपा जॉइन करेंगे? यह अटकलें इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं कि दो दिन पहले नरेश पटेल ने हार्दिक पटेल, अल्पेश कथीरिया और दिनेश बांभणिया के साथ मुलाकात की थीं इस बीच आज दिनेश बांभणिया ने राजकोट में गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील के साथ मुलाकात कीं इसी वजह से यह कयास लगाए जा रहे हैं कि पाटीदार नेता क्या भगवा धारण करेंगे? हांलाकि नरेश पटेल ने राजनीति में प्रवेश को लेकर अपने पत्ते नहीं खोले हैं नरेश पटेल अब तक भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेताओं के साथ मुलाकात कर चुके हैं कुछ दिन पहले जामनगर में आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह में नरेश पटेल भाजपा नेताओं के साथ देखे गए थें इसके अलावा कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और प्रशांत किशोर से भी मुलाकात की होने की खबर आई थीं इन सबके बीच पीएम मोदी आगामी 28 मई को गुजरात आ रहे हैं और उनके कार्यक्रम में नरेश पटेल को आमंत्रित किए जाने से राजनीति गरमा गई हैं

राजकोट रेल मंडल पर टेंडर की जगह अब आनलाइन बोली से होगी ई-नीलामी

रेलवे में टेंडर प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए टेंडर की जगह आनलाइन बोली से ई-नीलामी की पायलट परियोजना शीघ्र ही पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल पर 1 जून, 2022 से शुरू होगी। राजकोट मंडल पर टेंडर की प्रक्रिया अब सरकार के ई-ऑक्शन प्लेटफार्म पर ई-नीलामी के माध्यम से पूरी की जाएगी।

राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ के अनुसार मंडल पर वाणिज्यिक आय और गैर किराया राजस्व संबंधित अनुबंधों को ई-ऑक्शन के माध्यम से पूरा करने का निर्णय लिया गया है। नई व्यवस्था के तहत टेंडर के स्थान पर ई-नीलामी का प्रावधान किया गया है, ताकि अधिक से अधिक इच्छुक व्यक्ति और फर्म इसमें भाग ले सकें। इच्छुक व्यक्ति, फर्म और संस्था ध्रिंए (आइआरइपीएस) वेबसाइट पर ई-नीलामी की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पात्रता

ई-नीलामी में भाग लेने वाले बोलीदाता की आवश्यक योग्यता उसका वित्तीय टर्न ओवर होगा। साथ ही स्वघोषित दस्तावेज भी अपलोड करना होगा। इसके लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन ध्रिंए वेबसाइट पर करानी होगी। साथ ही इसके तहत कोई भौगोलिक बाध्यता भी नहीं होगी। एसबीआई बैंक में करेंट अकाउंट होना जरूरी है तथा उसे ध्रिंए से लिंक करना होगा। स्वघोषित दस्तावेज गलत पाए जाने पर जमानत राशि जब्त कर ली जाएगी। सभी भुगतान आनलाइन होंगे।

ई - नीलामी के लाभ

सरल व पारदर्शी प्रक्रिया

देशभर के बोलीदाताओं की भागीदारी

टेंडर प्रक्रिया में लगने वाले समय मे बचत

डिजिटलाइजेशन को प्रोत्साहन

मध्यम व लघु उद्यामियों को प्रोत्साहन

राजकोट मंडल पर शुरू में एडवर्टाइजिंग, पार्किंग और लीज़िंग कांट्रैक्ट में टेंडर की जगह ई-नीलामी की पायलट परियोजना शुरू की जाएगी और इसके लिए सभी बंदोबस्त किए जा रहे हैं। इसमें सरल पात्रता संबंधी मापदंड अपनाए गए हैं और नीलामी की तारीख वाले दिन व्यक्ति, फर्म और संस्था एक साथ भाग ले सकेंगे।

राजकोट मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन के अनुसार इस नई व्यवस्था से कम समय में ही वाणिज्यिक कार्यों की निविदाएं फाइनल होंगी, जिससे यात्रियों की सुविधाओं में सुधार होगा।

तिब्बत से जुड़े मसलों के समाधान के लिए अमेरिकी दूत करेंगी भारत और नेपाल की यात्रा

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी प्रशासन से जुड़े मानवाधिकारों और तिब्बत से जुड़े मसलों को देखने वाली शीर्ष दूत इस सप्ताह भारत और नेपाल की यात्रा करेंगी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी देते हुए बताया गया है कि इस यात्रा का उद्देश्य इन दो दक्षिण एशियाई देशों के साथ मानवाधिकारों पर सहयोग को और मजबूत बनाना है। बयान में विदेश विभाग के हवाले से कहा गया है कि नागरिक सुरक्षा, लोकतंत्र और मानवाधिकार मामलों की अवर सचिव और तिब्बत से जुड़े मुद्दों पर गौर करने के लिए नियुक्त अमेरिकी विशेष समन्वयक उज़रा ज़ेया 17 से 22 मई के दौरान भारत और नेपाल की यात्रा करेंगी ताकि मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक शासन लक्ष्यों पर सहयोग को और मजबूत किया जा सके तथा मानवीय प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाया जा सके। बयान में कहा गया कि उज़रा ज़ेया 'ईयर ऑफ एक्शन फॉर द समिट फॉर डेमोक्रेसी' के दौरान भारत और नेपाल के साथ साझेदारी पर भी चर्चा करेंगी। उनके साथ जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में एशिया के लिए यूएसएआईडी की उप सहायक प्रशासक अंजलि कौर शामिल होंगी।

जन हितैषी

किसी भी समाज के विकास में उसके साथ खड़े रहने को प्रतिबद्ध है राज्य सरकार: मुख्यमंत्री

- भूपेन्द्र पटेल ने मोरबी में 3 करोड़ के पर्यटक सुविधा कार्य तथा 2.48 करोड़ के स्वास्थ्य सुविधा कार्यों का

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को मोरबी जिले के ववाणिया गांव में आहिर समाज की ओर से संचालित 'मातृश्री रामबाई मां की जगह' में पर्यटक सुविधा के विकास कार्यों का लोकार्पण करते हुए यह स्पष्ट किया कि यह सरकार किसी भी समाज के विकास के लिए उसके साथ खड़े रहकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' सूत्र को साकार करने को प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने 'मातृश्री रामबाई मां की जगह' में गुजरात पर्यटन निगम की ओर से लगभग 3 करोड़ रुपए के खर्च से नवनिर्मित सत्संग हॉल, भोजनालय और रसोई घर का लोकार्पण किया। उन्होंने इस क्षेत्र के स्वास्थ्य कल्याण के लिए 2.48 करोड़ रुपए की लागत वाले विभिन्न पांच विकास कार्यों की भी भेंट नागरिकों को दी। मुख्यमंत्री ने 80 लाख रुपए के खर्च से नवनिर्मित ववाणिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 35 लाख रुपए के खर्च से तैयार 20 बिस्तरों वाले कोविड वॉर्ड के अलावा माळिया-मियाणा सामूहिक स्वास्थ्य केंद्र में 38.50 लाख रुपए के खर्च से 250 लीटर प्रति मिनट (एलपीएम) क्षमता के प्रेशर स्विंग ऐड्सॉर्प्शन (पीएसए) संयंत्र और टंकारा सामूहिक स्वास्थ्य केंद्र में भी 38.50 लाख रुपए के खर्च से तैयार पीएसए संयंत्र तथा 56 लाख रुपए के खर्च से निर्मित 50 बिस्तरों वाले कोविड वॉर्ड का ई-लोकार्पण किया। भूपेंद्र पटेल ने मातृश्री रामबाई मां के सेवा कार्यों को कृतज्ञतापूर्वक याद करते हुए कहा कि मातृश्री ने दृढ़ता और वैराग्य के साथ निस्वार्थ भाव से समाज सेवा के कार्यों में जुड़कर संपूर्ण समाज को मार्गदर्शन दिया है। इस संबंध में उन्होंने कहा कि ऐसे संत और सेवाव्रतियों की प्रेरणा से हरेक समाज विकास के लिए हमेशा प्रयासरत रहता है और सौराष्ट्र तो संतों, शूरवीरों और दाताओं की भूमि है। मुख्यमंत्री ने सभी समाजों के विकास के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने को लेकर राज्य सरकार की तत्परता व्यक्त करते हुए विकास के मुख्य आधार के रूप में शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित आहिर समाज के सभी पशुपालकों-आहिर परिवारों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि राज्य सरकार ने इस वर्ष 500 करोड़ रुपए के प्रावधान के साथ 'मुख्यमंत्री गौमाता पोषण योजना' की घोषणा की है। इसके परिणामस्वरूप गौशालाओं की गो माता सुरक्षित रहेगी, साथ ही प्राकृतिक कृषि-गाय आधारित खेती अर्थात रसायन मुक्त खेती की दिशा में आगे बढ़ने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आह्वान भी गुजरात में साकार हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने योजना के संदर्भ में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार गाय आधारित खेती के लिए प्रति देशी गाय हर महीने 900 रुपए रखरखाव खर्च देती है। वहीं, प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने प्राकृतिक खेती बोर्ड का भी गठन किया है। मुख्यमंत्री ने स्वस्थ मानव जीवन और आने वाली पीढ़ी की तंदुरुस्ती के साथ ही जमीन के स्वास्थ्य के भी सुधार के लिए रसायन युक्त खेती से मुक्त होकर प्राकृतिक खेती की ओर मुड़ने का सभी से अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए लोगों व किसानों को समझाने से लेकर निदर्शन की व्यवस्था करने की राज्य सरकार की मंशा है। भूपेंद्र पटेल ने देश के विकास के ग्रोथ इंजन गुजरात को ऐसे अनेक सफल आयामों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से और भी तेज गति से सभी समाजों के सहयोग से विकास की राह पर आगे ले जाने का संकल्प जताया। उन्होंने 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' का लक्ष्य हासिल करने का भी आह्वान किया।

श्रम, रोजगार एवं पंचायत राज्य मंत्री ब्रिजेश मेरजा ने आहिर समाज की ओर से संचालित इस 'मातृश्री रामबाई मां की जगह' की सेवा गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मोरबी-माळिया क्षेत्र के व्यापक विकास पर लगातार ध्यान देते हुए कई आयोजन भी किए हैं। इस वर्ष 38 करोड़ रुपए की सिंचाई योजना के जरिए 1500 हेक्टेयर भूमि को लाभ प्रदान करने के लिए बजटीय प्रावधान भी किया है। मेरजा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए इस बात पर हर्ष जताया कि माळिया, टंकारा और ववाणिया को मिली स्वास्थ्य सुविधाओं की भेंट से इस पूरे क्षेत्र में लोगों को स्वास्थ्य देखभाल में आसानी रहेगी।

ईमुद्रा लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक पेशकश 20 मई, 2022 को खुलेगा, मूल्य बैंड Rs. 243 से Rs. 256 प्रति इक्विटी शेयर पर निर्धारित किया गया है

अहमदाबाद : डिजिटल सुरक्षा फर्म ईमुद्रा लिमिटेड (कंपनी) ने अपने पहले सार्वजनिक प्रस्ताव के लिए Rs. 243 से Rs. 256 प्रति इक्विटी शेयर का मूल्य बैंड तय किया है। कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ या निर्गम) अंशदान के लिए 20 मई, 2022 को खुलेगा और 24 मई, 2022 को बंद होगा। निवेशक न्यूनतम 58 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 58 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं।

आईपीओ में कुल . 161 करोड़ के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू और 9,835,394 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

डीआरएचपी दस्तावेज में दर्शायी गई फ्रॉस्ट एंड सुलिवन रिपोर्ट के अनुसार ईमुद्रा भारत में सबसे बड़ा लाइसेंस प्राप्त प्रमाणन प्राधिकरण (ठप्रमाणन प्राधिकरणठ या ठसीएठ) है, जिसकी वित्त वर्ष 2021 में डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र बाजार में बाजार हिस्सेदारी 37.9ञ् है। यह सुरक्षित डिजिटल परिवर्तन में एक छतरी के नीचे सभी सुविधा प्रदान करने वाली कंपनी है।

बेंगलुरु स्थित फर्म विभिन्न उद्योगों में काम करने वाले व्यक्तियों और संगठनों को डिजिटल ट्रस्ट सर्विसेज और एंटरप्राइज समाधान प्रदान करने के व्यवसाय में लगी हुई है।

स्थापना के बाद से इसने 1.43 लाख ग्राहकों के लिए 500 लाख से अधिक डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र जारी किए हैं और 31 दिसंबर, 2021 तक इसके भारत में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैली डिजिटल ट्रस्ट सेवाओं के लिए इसके 91,259 चैनल भागीदार थे, और इसके 539 सिस्टम इंटीग्रेटर पार्टनर्स में से 267 भारत में मौजूद थे और शेष संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका और एशिया प्रशांत में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौजूद थे, जहाँ यह अपने समाधान और सेवाएँ प्रदान करता है।

कांग्रेस को हार्दिक पटेल के खिलाफ कार्यवाही करने पर आगामी चुनाव में नुकसान का डर

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल के खिलाफ फिलहाल पार्टी कोई कार्यवाही करने से बच रही हैं कांग्रेस को डर है कि अगर हार्दिक पटेल के खिलाफ वह कोई कार्यवाही करती है तो पाटीदारों की उसे सहानुभूति मिलेर्गी जिससे हार्दिक पटेल को फायदा और कांग्रेस को नुकसान हो सकता हैं बता दें कि हार्दिक पटेल पिछले काफी समय से गुजरात कांग्रेस नेतृत्व से नाराज चल रहे हैं पार्टी से अपनी नाराजगी को मीडिया के समक्ष कई बार जाहिर कर चुकी हैं गुजरात कांग्रेस के प्रभारी रघु शर्मा समेत प्रदेश नेताओं ने कई बार हार्दिक पटेल को पार्टी के अनुशासन में रहने की नसीहत दी हैं लेकिन उसका हार्दिक पटेल पर कोई असर नहीं हुर्आ माना जा रहा था कि कांग्रेस हार्दिक पटेल के खिलाफ कोई कार्यवाही कर सकती हैं लेकिन अब खबर सामने आई है कि फिलहाल कांग्रेस हार्दिक पटेल के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करेर्गी हार्दिक पटेल लगातार कांग्रेस को नुकसान हो ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं इसके बावजूद आगामी चुनावों में संभावित नुकसान को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस हार्दिक पटेल के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करेर्गी ताकि हार्दिक पटेल को पाटीदार समाज की सहानुभूति ना मिर्ले अगर कांग्रेस हार्दिक पटेल के खिलाफ कोई कार्यवाही करती है तो वह युवाओं के साथ अन्याय की बात उठा सकते हैं हार्दिक पटेल को पाटीदार कार्ड खेलने से रोकने के लिए शायद कांग्रेस ने उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करना ही उचित समझा हैं गौरतलब है राजस्थान के उदयपुर में जब कांग्रेस की चिंतन शिविर चल रही थी, तब हार्दिक पटेल खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरेश पटेल के साथ बैठक कर रहे थेर् जिसमें पास नेता अल्पेश कथीरिया और दिनेश बांभणिया भी शामिल थेर् बैठक के बाद हार्दिक पटेल ने कहा कि जब तक मेरी समस्या का समाधान नहीं होता तब तक कांग्रेस की चिंतन शिविर में शामिल होने का कोई मतलब नहीं हैं कांग्रेस से नाराजगी को स्वीकार करते हुए हार्दिक पटेल ने कहा कि कोई पार्टी के अंदर हो या बाहर उसकी जिम्मेदारी तय होती हैं मेरे गुजरात प्रदेश कांग्रेस का कार्यकारी प्रमुख के नाते मेरी भी कोई जिम्मेदारी तय होनी चाहिएर् हार्दिक ने यह भी कहा था कि आज तक हमने कांग्रेस से कुछ लिया नहीं हैं वर्ष 2015 हो, वर्ष 2017 हो या फिर उसके बाद का समय हमने कांग्रेस को 100 प्रतिशत दिया हैं गुजरात की जनता को जागृत कर उसे कांग्रेस के साथ जोड़ने का काम किया हैं

जुहापुरा के कुख्यात कालू गरदन के अवैध निर्माणों पर प्रशासन का चला बुलडोजर

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के कुख्यात कालू गरदन के खिलाफ महानगर पालिका ने कड़ी कार्यवाही की हैं अहमदाबाद के जुहापुरा क्षेत्र में महानगर पालिका ने कालु गरदन के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला दिर्या पुलिस सुरक्षा के बीच महानगर पालिका कर्मचारियों ने जुहापुरा टीपी 85 स्थित 3 दुकानों को ढहा दिर्या दो बुलडोजल और सुरक्षा व्यवस्था के बीच महानगर पालिका ने कालू गरदन के अवैध निर्माणों को जमींदोस्त किया हैं केवल कालू गरदन ही नहीं अहमदाबाद में जहां कहीं भी दोबारा अवैध निर्माण किए गए हैं, उन सभी खिलाफ महानगर पालिका ने कानूनी कार्यवाही शुरू की हैं महानगर पालिका की जमीन पर बनाई गई अवैध झुग्गियों को हटाया जा रहा हैं

विक्स ने खराब गला पारंपरिक तरीके से ठीक करने के लिए पेश कीं तुलसी कफ ड्रॉप्स

विक्स ने कफ ड्रॉप्स की अपनी गोलियों का पिटारा बढ़ाया, शामिल की बहुप्रतीक्षित 'तुलसी'

दुनिया में सबसे अधिक बिकने वाले* खांसी और सर्दी के ब्रांड विक्स ने आज भारत में विक्स तुलसी कफ ड्रॉप्स पेश करने की घोषणा की। अपने उत्पादों की रेंज में तुलसी फ्लेवर शामिल कर ब्रांड ने पीढ़ियों से चली आ रही पारंपरिक दवाएं सभी के लिए सुविधाजनक और सुगम बनाने का अपना मकसद एक बार फिर साबित किया है। तुलसी के पौधे को खांसी के उपचार और खराब गला ठीक करने के लए पारंपरिक रूप से बहुत अधिक फायदेमंद माना जाता है। विक्स कफ ड्रॉप्स द्वारा कराए गए स्वतंत्र अध्ययन में भी पता चला है कि खराब गला ठीक करने के लिए भारत के लोग तुलसी को सबसे पसंदीदा फ्लेवर मानते हैं।

विक्स कफ ड्रॉप्स पारंपरिक और भरोसेमंद सामग्री की ताकत को अपने उत्पादों में बढ़ाने में यकीन करती है और इसका उद्देश्य अपने उपभोक्ताओं की जरूरतें पूरी करना है। खांसी ठीक करने वाले उत्पादों की श्रेणी में बाजार के सबसे अग्रणी ब्रांड विक्स कफ ड्रॉप्स के पोर्टफोलियो में शहद, मेंथॉल और अदरक जैसे फ्लेवर पहले ही शामिल हैं।

गुजरात एटीएस को बड़ी कामयाबी, मुंबई सीरियल ब्लास्ट मामले के 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात एटीएस को बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल, गुजरात एटीएस ने 1993 मुंबई सीरियल ब्लास्ट मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन चारों आरोपियों की गिरफ्तारी अहमदाबाद से हुई है। दावा है कि मुंबई ब्लास्ट के बाद यह सभी आरोपी विदेश भागने में कामयाब रहे थे और फिलहाल फर्जी पासपोर्ट के जरिए अहमदाबाद पहुंचे थे। जिन लोगों की गिरफ्तारी की गई है, उनके नाम अबू बकर, युसूफ भटाका, शोएब बाबा और सैयद कुरैशी है। गुजरात एटीएस के डीआईजी दीपक भद्रन ने बताया कि जांच में पता चला कि ये चारों आरोपी 1993 मुंबई ब्लास्ट मामले के वांछित अपराधी है। इन्होंने दाऊद इब्राहिम के साथ मीटिंग में भाग लिया था।

भद्रन ने कहा कि दाऊद के कहने पर ये पाकिस्तान गए और इन्हें आईएसआई के द्वारा विस्फोट करने की ट्रेनिंग दी गई थी। एटीएस को इसकी सूचना मिली थी कि कुछ संदेह जनक लोग अहमदाबाद शहर के अंदर छुपे हुए हैं। जिसके बाद गुजरात एटीएस की टीम ने इन लोगों को पकड़ा और लगातार पूछताछ की। इनके पास से फर्जी पासपोर्ट मिले हैं। यह चारों 1993 मुंबई ब्लास्ट के वांछित अपराधी है। मुंबई में 12 मार्च को जो सीरियल ब्लास्ट हुए थे उसमें यह सभी शामिल थे। बता दें कि मुंबई में 12 मार्च 1993 को सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। इन धमाकों में 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी जबकि 800 लोग घायल हुए हैं।

वहीं, उच्च न्यायालय ने 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में अपनी भूमिका के लिए उम्रकैद की सजा काट रहे प्रत्यर्पित 'गैंगस्टर' अबू सलेम को वह याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी जिसमें उसने भारत में अपनी हिरासत को गैर-कानूनी करार देने का अनुरोध किया था। सलेम ने खुद को पुर्तगाल प्रत्यर्पित करने की भी मांग की थी।

इस संबंध में इंटेलिजेंस इनपुट मिलने पर गुजरात एटीएस ने कार्रवाई को अंजाम दिया। अबू बकर, यूसुफ भटाका, शोएब बाबा और सैयद कुरैशी ने सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को गुमराह करने के लिए अपने पते बदल दिए थे। इनके पासपोर्ट में दर्ज सभी जानकारियां फर्जी निकलीं। जांच में यह सत्यापित हुआ कि ये चारों 1993 के मुंबई बम धमाकों के आरोपी हैं। आपको बता दें कि 12 मार्च 1993 को शुक्रवार के दिन मुंबई में 12 सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे, जिसमें 250 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और 800 से अधिक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसे गुजरात एटीएस का एक बड़ा ऑपरेशन माना जा रहा है।

गर्मी की छुट्टियों में मौसी के घर आई कक्षा 9 की छात्रा की 7वी मंझिल से गिरकर मौत

राजकोट (ईएमएस) शहर के रैयाधार क्षेत्र के शांतिनगर में 14 वर्षीय किशोरी की दुर्घटनावश सातवीं मंझिल से गिरकर मौत हो गईर् मृतक किशोरी अपनी मौसी के घर गर्मियों की छुट्टियां बिताने आई थीर् जानकारी के मुताबिक वडोदरा में रहनेवाली 14 वर्षीय ध्वनि चंद्रेशभाई मकवाणा कक्षा 9 की छात्रा थीर् परीक्षा के बाद गर्मियां की छुट्टियां बिताने राजकोट रैयाधार क्षेत्र के शांतिनगर निवासी अपनी मौसी के घर आई थीर्

मुंबई-नई दिल्ली के बीच चलनेवाल राजधानी एक्सप्रेस ने पूर्ण किए 50 स्वतर्णिम वर्ष

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे की प्रतिष्ठित मुंबई-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस ने 17 मई, 1972 को अपनी पहली यात्रा से लेकर अब तक 50 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर लिये हैं। इस स्वर्ण जयंती समारोह को मनाने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर एक गरीमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया और अत्यं त उत्सा ह के साथ उत्ससवपूर्वक इस ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए एक विशेष पोस्टल कवर और एक वीआईपी एल्बम भी जारी किया गया। प्रधान मुख्य आयुक्त, मुंबई सीजीएसटी अशोक कुमार मेहता इस समारोह के मुख्य अतिथि थे और चीफ पोस्टमास्टर जनरल, महाराष्ट्र सर्किल वीना आर. श्रीनिवास विशिष्ट अतिथि थीं। इस अवसर पर मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जी. वी. एल. सत्यकुमार और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी उपस्थित थे। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मुंबई-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस ने 17 मई, 1972 को मुंबई सेंट्रल स्टेशन (तब बॉम्बे सेंट्रल) से राष्ट्रीय राजधानी के लिए अपनी उद्घाटक यात्रा की थी। इस ट्रेन ने राष्ट्र की सेवा में 50 गौरवशाली वर्ष पूरे किए हैं और इस अवसर पर इस प्रतिष्ठित ट्रेन के प्रस्थान से पहले मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर एक गरिमापूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जी. वी. एल. सत्यकुमार ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और अतिथियों का स्वागत किया। गणमान्य अतिथियों द्वारा विशेष डाक कवर और वीआईपी एल्बम जारी किया गया। इसके बाद रोटरेक्ट क्ल ब ऑफ एच. आर. कॉलेज के सदस्यों द्वारा फ्लैश मॉब स्किट का प्रदर्शन हुआ। इस प्रतिष्ठित ट्रेन में कार्यरत रेल सेवा से सेवानिवृत्त पश्चिम रेलवे के दो कर्मचारियों तथा एक वर्तमान कर्मचारी ने अपने यादगार अनुभव साझा किए। यात्रियों को स्मृति टिकट और मेमेंटो भेंट किए गए। साथ ही इस यादगार दिन पर उनकी यात्रा को संजोने के लिए तत्काल तस्वीरें ली गईं। उल्लेखनीय है कि राजधानी एक्सप्रेस की पहली ट्रेन सेवा से यात्रा करने वाले यात्रियो में से एक 90 वर्षीय कमरुज्जमां सारंग आज के इस ऐतिहासिक दिन पर भी इस ट्रेन से यात्रा कर रहे हैं। मुख्ये अतिथि अशोक कुमार मेहता द्वारा सबसे पहले उन्हेंद पश्चिम रेलवे द्वारा इस अवसर के लिए जारी विशेष सोविनियर टिकट प्रदान किया गया। ठाकुर ने बताया कि राजधानी एक्सप्रेस उत्कृसष्टए सेवाएं, तीव्र गति, समयपालनता और शानदार खानपान सेवाएं प्रदान करती है। मुंबई-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस सात राज्यों से होकर 15 घंटे 32 मिनट में 1383 किमी की दूरी तय करती है। वर्ष 1972 में भारतीय रेल ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को वित्तीय राजधानी मुंबई से जोड़ने वाली देश की दूसरी राजधानी एक्सप्रेस की शुरुआत की। देश की पहली राजधानी एक्सप्रेस तीन साल पहले 1969 में हावड़ा-दिल्ली के बीच शुरू की गई थी।

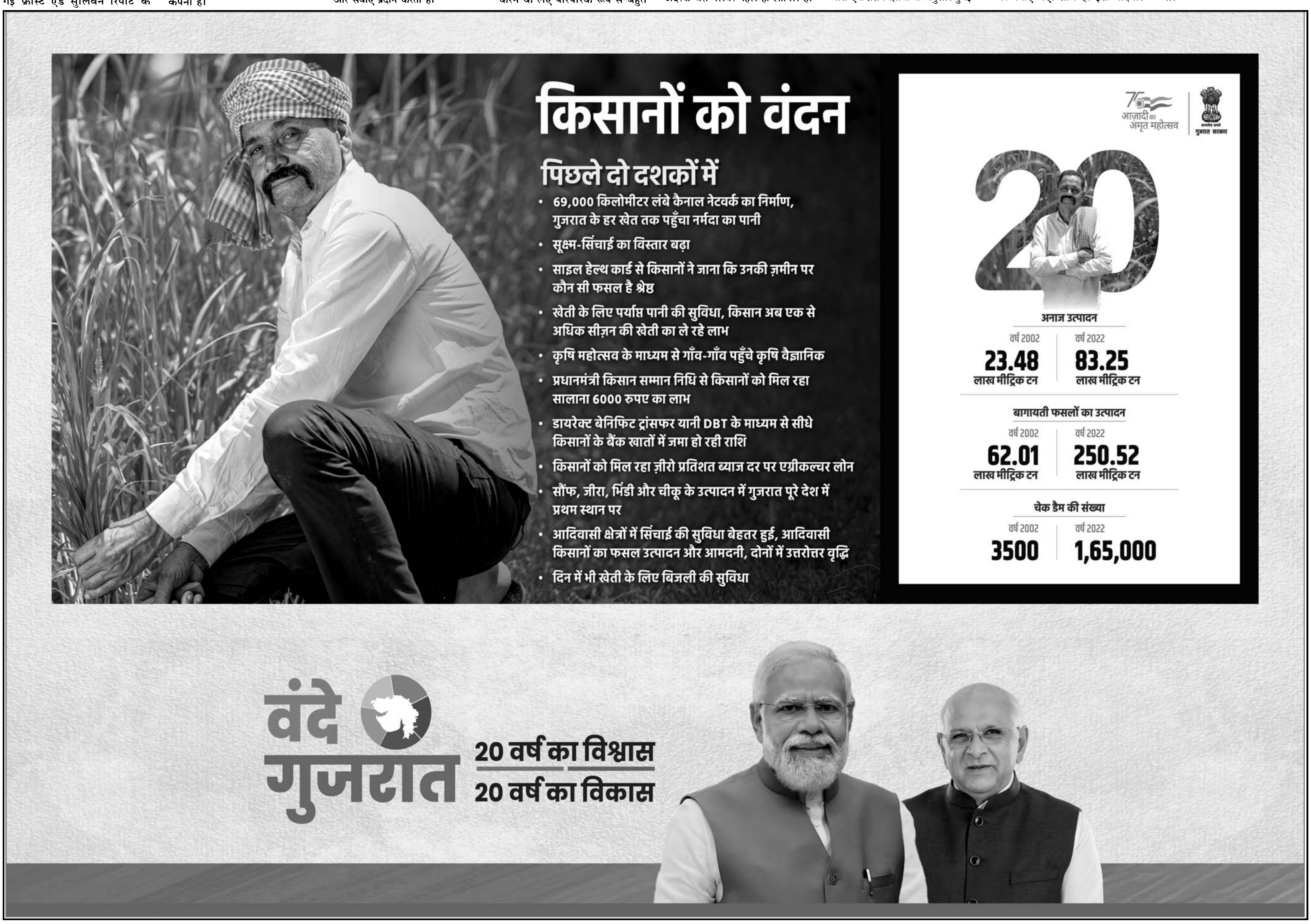

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95